MASTER OF ARTS
HINDI

SYLLABUS & REGULATIONS
WITH EFECT FROM 2024-25
M.A. Hindi
P.G Degree Programme (CBCS) Regulations
Amended as per NEP-2020
With effect from batch admitted in the academic year -2024-25
CHICE BASED CREDIT SYSTEM(CBCS)

Prof. Narayana, Ph.D.
Head & Chairman Board of Studies
Dept. of Hindi, S.V. University
TIRUPATI-517 502, A.P. (INDIA)

SRI VENKATESWARA UNIVERSITY: TIRUPATI

CENTRE FOR ONLINE AND DISTANCE EDUCATION

(Accredited by "NAAC" with A+ Grade)

TIRUPATI-517502., A.P

SRI VENKATESWARA UNIVERSITY: TIRUPATI

SVU COLLEGE OF ARTS
DEPARTMENT OF HINDI

(Revised Scheme of Instruction and Examination, Syllabus etc., under CBCS Regulations -2016 is Amended as per NEP-2020)
(With effect from the batch admitted in the academic year 2021-22)

M.A. HINDI

SEMESTER-I

S. No	Code	Title of the Course	Credit Hrs / Week	No. of Credits	Core / Elective	IA	SEE	Total Marks
1	HIN 101	Sahitya ka Itihas	6	4	Core-Theory	20	80	100
2	HIN 102	Pracheen evam Madhaykaleen Kavya	6	4		20	80	100
3	HIN 103	Aadhunik Kavita	6	4		20	80	100
4	HIN 104	Samkaleen Kavita	6	4		20	80	100
5	HIN 105	A Samsamyik Kavita	6	4	CF	20	80	100
		B Sahityandolan						
		C Sahitya ki Vaichariki						
6	HIN 106	A Bhasha Vignan aur Hindi Bhasha	6	4	EF	20	80	100
		B Patrakarita aur Jansanchar madhayam						
Total			**36**	**24**		**120**	**480**	**600**
7	HIN 107	Human Values and Professional Ethics - I	**0**	**0**	Audit Course	**100**	**0**	**0**

- **All core papers are Mandatory**
- **Compulsory foundation – Choose any one**
- **Elective Foundation - Choose any one Paper**
- **Audit course – 100 Marks (Internal) – Zero Credit under self study**
- **** Interested student may register for MOOCS with the approval of DDC**

SEMESTER - II

S. No	Code	Title of the Course	Credit Hrs / Week	No. of Credits	Core / Elective	IA	SEE	Total Marks
1	HIN 201	Aadhunik Sahitya ka Itihas	6	4	Core-Theory	20	80	100
2	HIN 202	Katha Sahitya	6	4		20	80	100
3	HIN 203	Nataya Sahitya	6	4		20	80	100
4	HIN 204	Aalochana Sahitya	6	4		20	80	100
5	HIN 205	A Gadhya Sahitya	6	4	CF	20	80	100
		B Anya Gadhya Sahitya						
		C Andhra ka Hindi Sahitya						
6	HIN 206	A Prayojanmulak Hindi aur Rajbhasha	6	4	EF	20	80	100
		B Anuvad ke Sidhanta aur Prayog						
Total			**36**	**24**		**120**	**480**	**600**
7	HIN 207	Human Values and Professional Ethics - II	**0**	**0**	Audit Course	**100**	**0**	**0**

- **All core papers are Mandatory**
- **Compulsory foundation – Choose any one**
- **Elective Foundation - Choose any one Paper**
- **Audit course – 100 Marks (Internal) – Zero Credit under self study**
- **** Interested student may register for MOOCS with the approval of DDC**

Prof. Narayana, Ph.D.
Head & Chairman Board of Studies
Dept. of Hindi, S.V. University
TIRUPATI-517 502, A.P. (INDIA)

SEMESTER-III

S. No	Code	Title of the Course	Credit Hrs / Week	No. of Credits	Core / Elective	IA	SEE	Total Marks
1	HIN 301	Bhartiya Kavya Shastra ki Parampara	6	4	Core-Theory	20	80	100
2	HIN 302	Hindi Kavya Shastra ka Vikas	6	4		20	80	100
3	HIN 303	A Dalit Sahitya`	6	4	Generic Elective	20	80	100
		B Aadivasi Sahitya						
		C Narivadi Sahitya	6	4		20	80	100
		D Pravasi Sahitya						
4	HIN 304	Bhasha Shikshan ke Sidhanta aur Prayog	6	4	Skill Oriented	20	80	100
6	HIN 305	A Vyavharik Hindi Vyakaran	6	4	Open Elective	20	80	100
		B Hindi Sahitya ke Nirmata						
Total			**36**	**24**		**120**	**480**	**600**

- **All core papers are Mandatory**
- **Generic Elective – Student has to choose any Two Paper**
- **Skill oriented Course is mandatory**
- **Open Elective are for the students of other Departments, Minimum one paper should be opted, extra credits may be earned by opting for more number of open electives depending on the interest of the student through self study**
- **** Interested student may register for MOOCS with the approval of DDC**

SEMESTER-IV

S. No	Code	Title of the Course	Credit Hrs / Week	No. of Credits	Core / Elective	IA	SEE	Total Marks
1	HIN 401	Bhartiya Tulnatmak Sahitya	6	4	Core-Theory	20	80	100
2	HIN 402	Paschatya Samiksha Shastra	6	4		20	80	100
3	HIN 403	A Anudit Bhartiya Sahitya	6	4	Generic Elective	20	80	100
		B Asmitamulak Sahitya Vimarsha						
		C Sahitya ka Tulnatmak Adhayayan	6	4		20	80	100
		D Anusandhan ke Sidhanta aur Dristiya						
4	HIN 404	AntarJananushasnatmak Dristiya aur Pravidhiya	6	4	*MDC	20	80	100
6	HIN 405	A Manak Hindi aur Nagrilipi	6	4	Open Elective	20	80	100
		B Aadhunik Hindi Sahitya ke Nirmata						
Total			**36**	**24**		**120**	**480**	**600**

- **All core papers are Mandatory**
- **Generic Elective – Student has to choose any Two Paper**
- **Multidisciplinary Course/ Project work is Mandatory**
- **Open Elective are for the students of other Departments, Minimum one paper should be opted, extra credits may be earned by opting for more number of open electives depending on the interest of the student through self study**
- **** Interested student may register for MOOCS with the approval of DDC**

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

Semester-I

Components of Study	Title of the Course	Hrs	Credits	IA	Sem. Exams	Total
Core-Mandatory	101–साहित्य का इतिहास	6	4	20	80	100
	102–प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	6	4	20	80	100
	103–आधुनिक कविता	6	4	20	80	100
	104–समकालीन कविता	6	4	20	80	100
Compulsory Foundation-Opt. 1	105–A–समसामयिक कविता	6	4	20	80	100
	B–साहित्यांदोलन	6	4	20	80	100
	C–साहित्य की वैचारिकी	6	4	20	80	100
Elective Foundation Opt. 1	106- A- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	6	4	20	80	100
	B–पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम	6	4	20	80	100
Audit Course	107–मानवीय मूल्य और नैतिकता–I.	0	0	00	00	000

Semester-II

Core-Mandatory	201–आधुनिक साहित्य का साहित्य	6	4	20	80	100
	202–कथा साहित्य	6	4	20	80	100
	203–नाट्य साहित्य	6	4	20	80	100
	204–आलोचना साहित्य	6	4	20	80	100
Compulsory Foundation Opt. 1	205–A–गद्य साहित्य	6	4	20	80	100
	B–अन्य गद्य साहित्य	6	4	20	80	100
	C–आन्ध्र का हिन्दी साहित्य	6	4	20	80	100
Elective Foundation Opt.1	206–A–प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा	6	4	20	80	100
	B–अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग	6	4	20	80	100
Audit Course	207–मानवीय मूल्य और नैतिकता–II.	0	0	00	00	000

Semester-III

Core-Mandatory	301–भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा	6	4	20	80	100
	302–हिन्दी काव्यशास्त्र का विकास	6	4	20	80	100
Generic Elective Opt. 2	303–A–दलित साहित्य	6	4	20	80	100
	B–आदिवासी साहित्य	6	4	20	80	100
	C–नारीवादी साहित्य	6	4	20	80	100
	D–प्रवासी साहित्य	6	4	20	80	100
Skill Oriented Course-Mandatory	304–भाषा शिक्षण के सिद्धांत और प्रयोग	6	4	20	80	100
Open Elective Opt. 1	305–A–व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण	6	4	20	80	100
	B–हिन्दी साहित्य के निर्माता	6	4	20	80	100

Semester-IV

Core-Mandatory	401–भारतीय तुलनात्मक साहित्य	6	4	20	80	100
	402–पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत	6	4	20	80	100
Generic Elective Opt. 2	403–A–अनुदित भारतीय साहित्य	6	4	20	80	100
	B–अस्मितामूलक साहित्य–विमर्श	6	4	20	80	100
	C–साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	6	4	20	80	100
	D–अनुसंधान के सिद्धांत और दृष्टियाँ	6	4	20	80	100
Multidisciplinary Course- Mandatory	404–अंतर ज्ञानानुशासनात्मक दृष्टियाँ और प्रविधियाँ	6	4	20	80	100
Open Elective Opt. 1	405–A–मानक हिन्दी और नागरी लिपि	6	4	20	80	100
	B–आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माता	6	4	20	80	100

Semester-I

Core-Semester-I-Mandatory-101–साहित्य का इतिहास

I. इतिहास और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन कीसमस्याएँ, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण। आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्य का स्वरूप–सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लोक साहित्य एवं गद्य साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रचनाकार और रचनाएँ।

II. भक्ति काल–भक्ति का अर्थ, उद्भव और विकास, भक्ति का आरम्भिक स्वरूप, परिस्थितियाँ, भक्ति की धारायें, निर्गुण से सगुण का विकास, निर्गुण एवं सगुण में भेद और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना। निर्गुण भक्ति का स्वरूप, आधार दार्शनिक पृष्ठभूमि, प्रमुख सम्प्रदाय, साहित्यिक परम्परा, साधना मूलक चिंतन, परिस्थिति–प्रभाव, कवित्व और काव्य रचना, साधना मार्ग, भक्ति साधना का स्वरूप।

III. हिन्दी संत काव्य– संत काव्य का वचारिक आधार, संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि–कबीर, नानक, दादू, रैदास।हिन्दी सूफी काव्य–सूफी काव्य का वैचारिक आधार एवं दार्शनिकता, सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य–मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, जायसी।

IV. सगुण भक्ति–स्वरूप, आधार, भेद, दार्शनिक पृष्ठभूमि, अवतारवाद, प्रमुख सम्प्रदाय।हिन्दी कृष्ण काव्य–विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य–सूरदास, नंददास, मीरा और रसखान। हिन्दी राम काव्य–विविध सम्प्रदाय, भक्ति का स्वरूप, दार्शनिक आधार, रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि और काव्य–तुलसीदास, अग्रदास, नाभादास।

V. रीतिकाल–रीति का अर्थ और परिभाषायें, रीतिसाहित्य का स्वरूप, रीति ग्रंथों के भेद, रीति काव्य, रीति ग्रंथ, रीति शास्त्र, रीतिकालीन कवि–रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिकालीन आचार्यो का आचार्यत्व, उत्तर मध्यकालीन काव्यधारायें और प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन परिस्थितियाँ, रीतिकाव्य के मूल स्त्रोत, रीति साहित्य की उपलब्धियाँ, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ–मतिराम, देव, पद्माकर, केशवदास, भूषण, घनानन्द, रहीमदास, वृन्द।

संदर्भ ग्रंथ–

१. डा.नगेन्द्र–हिन्दी साहित्य का इतिहास–सं.
२. शिवकुमार शर्मा–हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ
३. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल–हिन्दी साहित्य का इतिहास
४. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
५. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–हिन्दी साहित्य की भूमिका
६. गणपतिचन्द्र गुप्त–हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
७. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–हिन्दी साहित्य का इतिहास
८. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–हिन्दी साहित्य का मानक इतिहास
९. रामस्वरूप चतुर्वेदी–हिन्दी साहित्य : संवेदना और विकास
१०. विजयपाल सिंह–हिन्दी साहित्य का इतिहास
११. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–हिन्दी साहित्य का आदिकाल
१२. शम्भूनाथ पाण्डेय–आदिकालीन हिन्दी साहित्य
१३. रणजीत–हिन्दी साहित्य का आदिकाल
१४. श्याम मनोहर पाण्डेय–मध्ययुगीन प्रेमाख्यान
१५. पूर्णदास–हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा
१६. प्रतापसिंह चौहान–सन्त मत
१७. शम्भूनाथपाण्डेय–आदिकाल एवंभक्तिकाल के सामाजिक सांस्कृतिक आयाम
१८. विष्णु शरण–हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल व रीतिकाल
१९. भगीरथ मिश्र–हिन्दी रीति साहित्य
२०. महेन्द्रनाथ राय–हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल
२१. राजेन्द्र प्रसाद सिंह–हिन्दी साहित्य का सबाल्टर्न इतिहास(सिद्ध साहित्य से संत साहित्य तक)

Core-Semester-I-Mandatory-102–**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**

I. **आदिकालीन कविता का इतिहास–कवि और काव्य–**
   - **१. चन्द बरदाइ**–पृथ्वीराज रासा–रेवातट
   - **२. अमीर खुसरो**–अमीरखुसरों की पहेलियाँ और मुकरियाँ
   - **३. विद्यापति**–विद्यापति की पदावली–सं. डॉ. नरेन्द्र झा–पद संख्या–(१ से २७ तक)

II. **निर्गुण भक्ति धारा की कविता का इतिहास–कवि और काव्य–**
   - **४. कबीर**– कबीर–सं. हजारी प्रसाद द्विवदी–पद संख्या–(१६० से २०९ तक)
   - **५. मलिक मोहम्मद जायसी**–जायसी ग्रंथावली– रामचन्द्र शुक्ल–(नागमती वियोग खण्ड)

III. **सगुणभक्ति धारा की कविता का इतिहास–कवि और काव्य–**
   - **६. सूरदास**–भ्रमरगोत सार–सं. रामचन्द्र शुक्ल–पद संख्या–(२१से ७० तक)
   - **७. तुलसीदास**– रामचरित मानस–(उत्तरकाण्ड) योगेन्द्र प्रतापसिंह
   - **८. मीराबाई**–मीरा–सं. विश्वनाथ त्रिपाठी–पद संख्या–(१ से २० तक)

IV. **रीति कालीन कविता का इतिहास–रीतिसिद्ध कवि और काव्य–**
   - **९. बिहारी लाल**–बिहारी रत्नाकर–सं. पं. जगन्नाथ दास रत्नाकर–(१ से ७० दोहे)

V. **रीति कालीन कविता का इतिहास–रीतिमुक्त कवि और काव्य–**
   - **१०.घनानन्द**– घनानन्द कवित्त– सं.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी–(१से ३०पद)

पाठ्यपुस्तकें–

१. पृथ्वीराज रासो–रेवा तट २७ वॉ समय–सं.बिपिन बिहारी द्विवेदी–**लखनऊ विश्व विद्यालय लखनऊ**
२. अमीर खुसरों–खुसरों की हिन्दी कविता–ब्रजरत्नदास–**नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी**
३. विद्यापति की पदावली–डा.नरेन्द्र झा–**गुगल पर पी.डी.एफ उपलब्ध**
४. कबीर–हजारी प्रसाद द्विवेदी–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.**
५. जायसी ग्रंथावली–सं. रामचन्द्र शुक्ल–नागमति वियोग खण्ड–**नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी**
६. भ्रमरगीत सार–सं. रामचन्द्र शुक्ल–**लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
७. रामचरित मानस : उत्तरकाण्ड–योगेन्द्र प्रताप सिंह–**लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
८. मीरा–सं. विश्वनाथ त्रिपाठी–**वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
९. बिहारी रत्नाकर–सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर–**लोकभारती, इलाहाबाद**
१०. घनानन्द कवित्त–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी–**सरस्वती मंदिन, बनारस**

संदर्भ ग्रंथ–

१. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–हिन्दी साहित्य का आदिकाल,
२. गणपतिचन्द्र गुप्त–आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ
३. रणजीत–हिन्दी साहित्य का आदिकाल
४. शम्भूनाथ पाण्डेय–आदिकालीन हिन्दी साहित्य,
५. शम्भूनाथ पाण्डेय–आदिकाल एवं भक्तिकाल के सामाजिक सांस्कृतिक आयाम
६. हेमंत कुकरेती–आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ
७. श्याम मनोहर पाण्डेय–मध्ययुगीन प्रेमाख्यान
८. हजारी प्रसाद द्विवेदी–मध्यकालीन धर्म साधना
९. गोपाल प्रधान–हिन्दी नवरत्न
१०. अयोध्यानाथ शर्मा, विश्वनाथ गौड–समीक्षायण : भक्ति कवियों की समीक्षा
११. कुँवरपाल सिह–भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति
१२. मैनेजर पाण्डेय–भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य
१३. गोपेश्वरसिंह–भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार
१४. गोपेश्वरसिंह–भक्ति आंदोलन और काव्य
१५. मलिक मोहम्मद–भक्ति आंदोलन के प्रेरणा स्त्रोत
१६. रमेंन्द्रनाथ नंदी–प्राचीन भारत में धर्म के सामाजिक आधार
१७. प्रेमशंकर–भक्तिकाव्य की भूमिका
१८. प्रेमशंकर–भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र
१९. प्रेमशंकर–भक्तिकाव्य का समाजदर्शन
२०. शिवकुमार मिभ–भक्तिकाव्य और लोकजीवन
२१. शिवकुमार मिश्र–भक्ति–आंदोलन और भक्ति काव्य
२२. कमला प्रसाद–मध्यकालीन रचना और मूल्य
२३. सुधासिंह–मध्यकालीन साहित्य विमर्श
२४. देवीशंकर अवस्थी–भक्ति का संदर्भ
२५. देवीशंकर अवस्थी–भक्ति काव्य का उत्तरार्ध
२६. आनन्दप्रकाश दीक्षित–भक्ति–चेतना और हिन्दी काव्य
२७. डा.सेवासिंह–भक्ति और भक्ति आंदोलन
२८. सुधीन्द्र कुमार–रीतिकाव्य की इतिहास दृष्टि
२९. भगीरथ मिश्र–हिन्दी रीति साहित्य
३०. भुवनेश्वर प्रसाद–हिन्दी साहित्य के रीतिकाल का विश्लेषणात्मक इतिहास

Core-Semester-I Mandatory-103–**आधुनिक कविता**

I. **भारतेन्दु युगीन हिन्दी कविता का इतिहास–कवि और कविता–**
   १.भारतेन्दु हरिश्चन्द्र–जय हिन्दी, भारत दुर्दशा, काशी की गंगा,
II. **द्विवेदी युगीन हिन्दी कविता का इतिहास–कवि और कविता–**
   २. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध–प्रियप्रवास
   ३. मैथिलीशरण गुप्त–साकेत–(नवमसर्ग)
   ४. माखनलाल चतुर्वेदी–पुष्प की अभिलाषा, नाश का त्यौहार, गंगा माँग रही है मस्तक,
III. **छायावादो हिन्दी कविता का इतिहास–कवि और कविता–**
   ५. जयशंकर प्रसाद–कामायनी–(श्रद्धा, लज्जा, इड़ा सर्ग)
   ६. सुमित्रानन्दन पंत–परिवर्तन, प्रथम रश्मि, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र,
IV. **छायावादो हिन्दी कविता का इतिहास–कवि और कविता–**
   ७. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–राम की शक्ति पूजा, सरोजस्मृति, जुही की कली,
   ८. महादेवी वमा–बीन भी हूँ मै तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे,
V. **छायावादोत्तर हिन्दी कविता का इतिहास–कवि और कविता–**
   ९. रामधारी सिंह दिनकर–उर्वशी–(तृतीय खण्ड)
   १०.हरिवंश राय बच्चन–आत्म परिचय, कवि की वासना, मुझे पुकार लो,

पाठ्यपुस्तकें–

१. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र–कविता कोश–गुगल पर उपलब्ध
२. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध–प्रियप्रवास–**हिन्दी साहित्य कुटीर, बनारस**
३. मैथिलीशरण गुप्त–साकेत : नवम सर्ग–**लोकभारती, इलाहाबाद**
४. माखनलाल चतुर्वेदी–काव्यतारा–सं.डा. बद्रीनाथ तिवारी–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
५. जयशंकर प्रसाद–कामायनी–**लोकभारती, इलाहाबाद**
६. सुमित्रानन्दन पंत–तारापथ–**लोकभारती, इलाहाबाद**
७. महादेवी वर्मा–संधिनी–**लोकभारती, इलाहाबाद**
८. सूयंकांत त्रिपाठी निराला–रागविराग–**लोकभारती, इलाहाबाद**
९. रामधारी सिंह दिनकर–उर्वशी–**लोकभारती, इलाहाबाद**
१०. हरिवंशराय बच्चन–प्रतिनिधि कविताएँ–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ–

१. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी–आधुनिक हिन्दी कविता
२. रांगेय राघव–आधुनिक हिन्दी कविता में विषय और शैली
३. शिवकुमार मिश्र–आधुनिक कविता और युग संदर्भ
४. शिवकुमार मिश्र–आधुनिक कविता और युग दृष्टि
५. नगेन्द्र–आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ
६. मैनेजर पाण्डेय–हिन्दी कविता का अतीत और वर्तमान
७. कमला प्रसाद–आधुनिक हिन्दी कविता और आलोचना की द्वन्द्वात्मकता
८. हरिचरण शर्मा–आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास
९. निर्मला जैन–आधुनिक हिन्दी काव्य : रूप और संरचना
१०. नंदकिशोर नवल–आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास,
११. विजन्द्रनारायण सिंह–आधुनिक कविता का परिदृश्य
१२. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव–मिथकीय कल्पना और आधुनिक काव्य
१३. अर्पणा सारस्वत–स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्यधारा की मूल्य चेतना
१४. श्रीराम चिंरागियाँ–प्रतीक, प्रतीकवाद और आधुनिक हिन्दी कविता
१५. डा. बलदेव–हिन्दी के श्रेष्ठ आख्यानक प्रगीत
१६. राजेन्द्र प्रसाद सिंह–हिन्दी की लम्बी कविताओं का आलोचनात्मक पक्ष
१७. मनोज सोनकर–सत्तरोत्तरी हिन्दी कविता : संवेदना शिल्प और कवि
१८. जगदीश चतुर्वेदी–मार्क्सवाद और आधुनिक हिन्दी कविता
१९. नामवरसिंह–छायावाद
२०. नामवरसिंह–छायावाद, प्रसाद,निराला, महादेवी और पंत
२१. कुमार विमल–छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन
२२. रमेशचन्द्र शाह–छायावाद की प्रासंगिकता
२३. देवराज–छायावाद : उत्थान और पतन : पुनर्मूल्यांकन
२४. केदारनाथ सिंह–कल्पना और छायावाद
२५. रामदरश मिश्र–छायावाद का रचनालोक
२६. रामनारायण पटेल–छायावाद और मुकुटधर पाण्डेय
२७. राममूर्ति त्रिपाठी–रहस्यवाद
२८. सूर्यप्रसाद दीक्षित–छायावाद : सौ साल
२९. गोपाल प्रधान–छायावाद युगीन साहित्यिक वाद विवाद,
३०. महेन्द्रनाथ राय–नवजागरण और छायावाद

Core-Semester-I Mandatory-104-समकालीन कविता

I. **प्रगतिवादी कविता का इतिहास-कवि और कवितायें-**
   १. नागाजंन-बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, शासन की बन्दुक,
   २. केदारनाथ अग्रवाल-बाप बेटा बेचता है, जनता, धरती,

II. **प्रयोगवादी कविता का इतिहास-कवि और कवितायें-**
   ३. अज्ञेय-हरी घास पर क्षण भर, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार
   ४. धर्मवीर भारती-कविता की मौत, टूटा पहिया, केवल तन का रिश्ता

III. **नयी कविता का इतिहास-कवि और कवितायें-**
   ५. गजानन माधव मुक्तिबोध-भूल और गलती, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में,
   ६. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना-कुआनो नदी के पार, काठ की घंटियॉ, भेडिए,

IV. **जनवादी कविता का इतिहास-कवि और कवितायें-**
   ७. शमशेर बहादुर सिंह-टूटी हुई बिखरी हूई, पिकासोई कला, एक नीला दरिया बरस रहा,
   ८. त्रिलोचन शास्त्री-आत्मालोचन, सहस्त्रशीर्ष पुरूष, अपना ही घर,

V. **समकालीन कविता का इतिहास-कवि और कवितायें-**
   ९. सुदामा पाण्डेय धूमिल-नक्सलबाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन,
   १०.भवानी प्रसाद मिश्र-गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल, अदम्य यह जनता

पाठ्य पुस्तकें-

१. नागार्जुन-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
२. केदारनाथ अग्रवाल-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
३. अज्ञेय- प्रतिनिधि कविताएँ-**राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली**
४. धर्मवीर भारती-नई कविता प्रतिनिधि संकलन-डा. दीलिप कुमार पांडेय-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
५. मुक्तिबोध-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
६. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
७. त्रिलोचन शास्त्री-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
८. शमशेर बहादुर सिंह-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
९. सुदामा पाण्डेय धूमिल-संसद से सड़क तक-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
१०. भवानी प्रसाद मिश्र-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ-

१. कृष्णलाल हंस-प्रगतिवादी काव्य साहित्य
२. लल्लन राय-हिन्दी की प्रगतिशील कविता
३. रविरंजन-प्रगतिवादी कविता में वस्तु और रूप
४. रणजीत-प्रगतिशील हिन्दी कविता
५. प्रभाकर श्रोतिय-हिन्दी कविता की प्रगतिशील भूमिका
६. रामविलास शर्मा-रूपतरंग और प्रगतिशील कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि
७. जगदीश चतुर्वेदी-मार्क्सवाद और आधुनिक हिन्दी कविता
८. भक्तराम शर्मा-मार्क्सवाद और हिन्दी कविता
९. अजय तिवारी-प्रगतिशील कविता का सौंदर्य मूल्य
१०. देवराज-नयी कविता
११. नन्ददुलारे वाजपेयी-नई कविता
१२. मुक्तिबोध-नयी कविता का आत्मसंघर्ष
१३. रामविलास शर्मा-नयी कविता और अस्तित्ववाद
१४. सुधीश पचौरी-नयी कविता का वैचारिक आधार
१५. रोहिताश्व-नयी कविता की सम्प्रेषण समस्या
१६. प्रेमशंकर-नयी कविता की भूमिका
१७. सूर्यनारायण वर्मा-नयी कविता : पुराख्यान आर समकालीनता
१८. ललित शुक्ल-नया काव्य : नये मूल्य
१९. पवन कुमार-नवरहस्यवाद और नयी कविता
२०. लक्ष्मीकांत वर्मा-नयी कविता के प्रतिमान
२१. बलीसिंह-कविता की समकालीनता
२२. राकेश कुमार-समकालीन कविता : इतिहास बोध
२३. अजय तिवारी-समकालीन कविता और कुलीनतावाद
२४. रोहिताश्व-समकालीन कविता : मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में,
२५. रोहिताश्व-समकालीन कविता और सौंदर्य बोध
२६. नरेन्द्र मोहन-समकालीन कविता के बारे में
२७. रेवती रमण-समकालीन कविता का परिप्रेक्ष्य
२८. कामेश्वर प्रसाद सिंह-समकालीन हिन्दी कविता का संघर्ष
२९. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय-समकालीन कविता की भूमिका
३०. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी-समकालीन हिन्दी कविता

Compulsory Foundation-Opt. I-105-A-**समसामयिक कविता**

I. **समसामयिक कविता का इतिहास-कवि और कवितायें**
   १. **अरूण कमल**-शायर की कब्र, बस एक निशान छूट रहा था, उम्मीद,
   २. **राजेश जोशी**-मारे जायेंगे, निराशा, एक कवि कहता है
II. **समसामयिक(जनवादी) कविता का इतिहास-कवि और कवितायें**
   ३. **आलोक धन्वा**-जनता का आदमी, गोली दागो पोस्टर, कपड़े के जूतें
   ४. **वेणु गोपाल**-मै तुम्हारे साथ हू, उड़ते हुए, सफर
III. **समसामयिक(नारीवादी) कविता का इतिहास-कवि और कवितायें**
   ५. **कात्यायनी**-सात भाइयों के बीच चम्पा, इस लड़की से डरो, हाँकी खेलती लड़कियाँ,
   ६. **अनामिका**-स्त्रियाँ, बेवजह, कूड़ा बीनते बच्चे
IV. **समसामयिक(दलित) कविता का इतिहास-कवि और कवितायें**
   ७. **ओमप्रकाश वाल्मीकि**-बस्स बहुत हो चुका, तब तुम क्या करोगे, मेरे पुरखे
   ८. **जयप्रकाश कर्दम**-गूँगा नहीं था मै, तिनका-तिनका आग, सर्वनाम जिंदगी
V. **समसामयिक(आदिवासी) कविता का इतिहास-कवि और कवितायें**
   ९. **निर्मला पुतुल**-बाबा मुझे उतनी दूर मत ब्याहना, नगाड़े की तरह बजतें शब्द, अपने घर की तलाश में
   १०.**सुशीला टाकभौरे**-खोज की बुनियाद, विद्रोहिणी, स्त्री

पाठ्यपुस्तकें-

१. अरूण कमल-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
२. राजेश जोशी-प्रतिनिधि कविताएँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
३. आलोक धन्वा-रोज दुनिया बनती है-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
४. वेणु गोपाल-मेरी ओर देखो तो-सं.डा. सी. जनार्दन राव-**आन्ध्र प्रदेश हिन्दी अकादमी, हैदराबाद**
५. कात्यायनी-कवि ने ककहा-**किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली**
६. अनामिका-खुरदुरी हथेलियाँ-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
७. ओमप्रकाश वाल्मीकि-दलित निर्वाचित कविताएँ-सं.कॅवल भारती-**साहित्य उपक्रम, नई दिल्ली**
८. जयप्रकाश कर्दम-दलित निर्वाचित कविताएँ-सं.कॅवल भारती-**साहित्य उपक्रम, नई दिल्ली**
९. निर्मला पुतुल-लोक कह्याँ बिगडी-सं.परिमळा अंबेकर-**अमन प्रकाशन, कानपुर**
१०. सुशीला टाकभौरे-लोक कह्याँ बिगडी-सं.परिमळा अंबेकर-**अमन प्रकाशन, कानपुर**

संदर्भ ग्रंथ-

१. रामदरश मिश्र-छायावादोत्तर हिन्दी कविता
२. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी-बीसवी सदी का हिन्दी साहित्य
३. वेदप्रकाश अमिताभ-समकालीन हिन्दी साहित्य : संवेदना और विमर्श
४. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय-समकालीन कविता की भूमिका
५. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी-समकालीन हिन्दी कविता
६. राकेश कुमार-समकालीन कविता : इतिहास बोध
७. अजय तिवारी-समकालीन कविता और कुलीनतावाद
८. देवेन्द्र-नक्सलवादी आंदोलन और समकालीन हिन्दी कविता
९. आशुतोष कुमार-समकालीन कविता आर मार्क्सवाद
१०. राधेश्याम शमा-समसामयिक कविता साहित्य
११. डा. गोविन्द रजनीश-समसामयिक हिन्दी कविता : विविध परिदृश्य

Compulsory Foundation-Opt. I-105-B-**साहित्यांदोलन**

I.	भक्ति आंदोलन	: अध्यात्मवादी-	सामंतवाद विरोधी
II.	स्वतंत्रता आंदोलन	: नवजागरणवादी-	साम्राज्यवाद विरोधी
III.	स्वच्छन्दतावादी आंदोलन	: नव चेतनावादी-	पूँजीवाद विरोधी
IV.	प्रगतिशील और जनवादी आंदोलन	: प्रगतिवादी और जनवादी-	फासीवाद विरोधी
V.	दलित और नारीवादी आंदोलन	: अंबेडकरवादी-अस्मितावादी-	वर्ण और वर्ग विरोधी

संदर्भ ग्रंथ-

१. कुँवरपाल सिंह-भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति
२. मैनजर पाण्डेय-भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य
३. गोपेश्वरसिंह-भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार
४. मलिक मोहम्मद-भक्ति आंदोलन के प्रेरणा स्त्रोत
५. शिवकुमार मिश्र- भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
६. इन्द्रनाथ चौधुरी-भारतीय नवजागरण
७. मोहित हालदार-भारतीय नवजागरण और पनरूत्थानवादी चेतना
८. वीरभारत तलवार-राष्टोय नवजागरण और साहित्य
९. कुमेन्दु शिशिर -हिन्दी नवजागरण और जातीय गद्य परम्परा

१०. कुमेन्दु शिशिर–भारतीय नवजागरण और समकालीन संदर्भ
११. रामविलास शर्मा–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
१२. रामविलास शर्मा–महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
१३. प्रदीप सक्सेना–नवजागरण और इतिहास चेतना–सं.
१४. शम्भूनाथ–हिन्दी नवजागरण और संस्कृति
१५. शम्भूनाथ–भारतेन्दु और भारतीय नवजागरण–सं.
१६. शम्भूनाथ –दूसरे नवजागरण की ओर
१७. हरप्रकाश गौड–सरस्वती और राष्ट्रीय नवजागरण
१८. श्रीश जैसवाल–हिन्दी का नवजागरण काल एवं भाषा विवाद
१९. महेन्द्रनाथ राय–नवजागरण और छायावाद
२०. रामरतन भटनागर–निराला और नवजागरण
२१. रमेशचन्द्र शाह–छायावाद की प्रासंगिकता
२२. सूर्यप्रसाद दीक्षित–छायावाद : सौ साल
२३. गोपाल प्रधान–छायावाद युगीन साहित्यिक वाद विवाद,
२४. प्रेमशंकर–भारतीय स्वच्छन्दतावाद और छायावाद
२५. डा. कृष्णमुरारी मिश्र–स्वच्छन्दतावाद : स्वरूप विश्लेषण
२६. अजब सिंह–नवस्वच्छन्दतावाद
२७. रेखा अवस्थी–प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य
२८. कर्णसिंह चौहान–प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास
२९. मुरली मनोहरप्रसाद सिंह–प्रगतिशील सांस्कृतिक आंदोलन–सं.
३०. खगेन्द्र ठाकुर–प्रगतिशील आंदोलन के इतिहास–पुरूष
३१. रमेश उपाध्याय–जनवादी कहानी : पृष्ठभूमि से पुनर्विचार तक
३२. रामनारायण शुक्ल–जनवादी समझ और साहित्य
३३. ब्रजकुमार पांडेय–अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ का इतिहास
३४. कमला प्रसाद –स्त्री : मुक्ति का सपना–सं.
३५. राधाकुमार–स्त्री संघर्ष का इतिहास
३६. योगेन्द्र शर्मा–महिला सशक्तिकरण : दशा और दिशा
३७. ममता जैतली–आधी आबादी का संघर्ष
३८. रोहिणी अग्रवाल–स्त्री लेखन : स्वरूप ओर संकल्प
३९. रेखा कस्तवार–स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ
४०. ममता कालिया–महिला लेखन के सौ वर्ष–सं.
४१. मोहनदास नैमिशराय–भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास(चार खण्ड)
४२. सुभाष चन्द्र–दलित मुक्ति आंदोलन–सीमाएँ और संभावनाएँ
४३. डा.चन्द्रकुमार वरठे–दलित साहित्य आंदोलन
४४. कृपाशंकर चौबे–दलित आंदोलन और बांग्ला साहित्य
४५. बद्री नारायण– सं.उपेक्षित समुदायों का आत्म इतिहास
४६. आनंद तेलतुमडे–उत्तर अम्बेडकर दलित आंदोलन : दशा और दिशा

Compulsory Foundation-Opt. I-105–C–साहित्य की वैचारिकी

I. मध्ययुगीनता और आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति,परम्परा और आधुनिकता, पुनर्जागरण, पुनरूत्थान और हिन्दी लोक–जागरण, भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि,खड़ी बोली आंदोलन, फोर्ट विलियम कॉलेज, प्रेस की स्थापना, मुद्रण की व्यवस्था, विभिन्न संस्थाओं का योगदान ।

II. साहित्य में पुनर्जागरण और नवजागरण, हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग और हिन्दी नवजागरण, महावीर प्रसाद द्विवेदी युग और हिन्दी नवजागरण, राष्टवाद और अंतर्राष्टीयता।

III. हिन्दी साहित्य में प्रयुक्त विभिन्न विचारधाराओं का विकास–ऐतिहासिक भौतिकवादी दर्शन, द्वन्द्वात्मक भौतिकवादी दर्शन, जैविक दर्शन, विधेयवादी दर्शन, नवआदर्शवादी दर्शन।

IV. माक्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद, गाँधीवादी दर्शन, अम्बेडकर दर्शन, लोहिया दर्शन।

V. भारतीय सांविधानिक–लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक चेतना और विमर्श।

संदर्भ ग्रंथ–

१. वाचस्पति गैरोला–भारतीय दर्शन
२. बलदेव उपाध्याय–भारतीय दर्शन
३. देवीप्रसाद उपाध्याय–भारतीय दर्शन
४. राममूर्ति शर्मा–भारतीय दर्शन की चिन्तन धारा
५. महादेव प्रसाद–समाज दर्शन
६. जानकी वल्लभ शास्त्री–साहित्य दर्शन
७. आचार्य नरेन्द्र देव–बौद्ध धर्म–दर्शन
८. रामजीलाल काली–बौद्ध धर्म एवं दर्शन

९. देवीप्रसाद मौर्य–भारतय लौकिक चिन्तन और चार्वाक
१०. राजकुमार शर्मा–भारतीय चिंतन–सृजन का प्रगतिकामी मानवीय पक्ष–सं.
११. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय–हिन्दी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
१२. इन्द्रनाथ चौधुरी–भारतीय नवजागरण
१३. मोहित हालदार–भारतीय नवजागरण और पुनरूत्थानवादी चेतना
१४. कुमेन्दु शिशिर–भारतीय नवजागरण और समकालीन संदर्भ
१५. रामविलास शर्मा–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
१६. रामविलास शर्मा–महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
१७. प्रदीप सक्सेना–नवजागरण और इतिहास चेतना–सं.
१८. शम्भूनाथ–हिन्दी नवजागरण और संस्कृति
१९. शम्भूनाथ–भारतेन्दु और भारतीय नवजागरण–सं.
२०. सत्येन्द्र त्रिपाठी–भारतीय राष्टवाद : स्वरूप और विकास
२१. ए.आर.देसाई–भारतीय राष्टवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
२२. सत्यराय–सं.–भारत में उपनिवेशवाद और राष्टवाद
२३. शिवानी किंकर चौबे–भारत में उपनिवेशवाद, स्वतंत्रता संग्राम और राष्टवाद
२४. इरफान हबीब–भारतीय राष्टोय आंदोलन और राष्टवाद
२५. जी.वी. स्तालिन–द्वन्द्वात्मक और ऐतिहासिक भौतिकवाद
२६. थेओदोर ओइजेमनि–द्वन्द्वात्मक भैतिकवाद और दर्शन का इतिहास
२७. डगलोरिमर–ऐतिहासिक भौतिकवाद के मूल सिद्धांत–अनु. अनिल. आर
२८. अशोक कुमार पाण्डेय–कार्लमार्क्स ओर उनका दर्शन
२९. रामविलास शर्मा–पाश्चात्य दर्शन और सामाजिक अन्तर्विरोध
३०. राहुल सांस्कृत्यायन–वैज्ञानिक भौतिकवाद
३१. नामवर सिंह–कार्ल मार्क्स :कला और साहित्य चितन,
३२. कैलाश विहारी सहाय–मार्क्सवाद और अस्तित्ववाद
३३. योगेनद्र शाही–अस्तित्ववाद : किकेगार्द से कामू तक
३४. प्रभा खेतान–सार्त्र का अस्तित्ववाद
३५. जवरीमल्ल पारख–अस्तित्ववाद और मानववाद :ज्यां पॉल सार्त्र
३६. शिवप्रसाद सिंह–आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद
३७. प्रभाकर माचवे–अनु. पॉल रूबिचेक–अस्तित्ववाद:पक्ष विपक्ष
३८. लक्ष्मी सक्सेना–अस्तित्ववाद के प्रमुख विचारक
३९. कुबेरनाथ राय–विषाद योग :अस्तित्ववादी दर्शन
४०. रमेशचन्द्र विलियम जेम्स–प्रयोजनवाद
४१. गोपीचन्द नारंग–संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र
४२. सुधीश पचौरी–देरिदा : विखण्डन की सैद्धातिकी
४३. देवेन्द्र इस्सर–उत्तर आधुनिकता साहित्य और संस्कृति की नई सोंच
४४. राजेश्वर सक्सेना–उत्तर आधुनिक विमर्श और द्वन्द्ववाद
४५. सुधीश पचौरी–उत्तरआधुनिकता साहित्यिक विमर्श
४६. जोन्स डब्ल्यु डॅगलॅस–गांधी और अकथनीय–अनु.मदन सोनी
४७. शम्भूनाथ जोशी, मिथिलेश–गॉधी दृष्टि के विविध आयाम
४८. सुमन जैन–गॉधी : चरखा से स्वराज
४९. गिरिराज किशोर–गाँधी और समाज
५०. हेरम्ब चतुर्वेदी–गाँधी और उनकी सत्याग्रह की यात्रा
५१. नन्दकिशोर आचार्य–अहिंसा की संस्कृति : आधार और आयाम
५२. सुधीर चन्द्र–गाँधी : एक असम्भव सम्भावना
५३. बनवारी–भारत का स्वराज और महात्मा गाँधी
५४. हमंत कुकरेती–गांधी दर्शन
५५. बी.आर.विप्लवी–दलित दर्शन की वैचारिकी
५६. रमणिका गुप्ता–दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार,
५७. रमणिका गुप्ता–सं. दलित चेतना : सोंच, –दलित हस्तक्षेप,
५८. डा. तेजसिंह–अम्बेडकरवादी साहित्य का समाजशास्त्र,
५९. डा. तेजसिंह–अम्बेडकरवादी विचारधारा और समाज
६०. कंवल भारती–त्रेता विमर्श और दलित चिन्तन,
६१. डा. धर्मवीर–दलित चिंन्तन का विकास
६२. डा. एन.सिंह–दलित चिंतन : अनुभव और विचार
६३. कृष्णदत्त पालीवाल–भारतीय अस्मिता और दृष्टि–स.
६४. कृष्णदत्त पालीवाल–भारतीय चिंतन परम्पराएँ : नए आयाम,नई दिशाएँ–सं.
६५. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह–समाजवाद का सपना
६६. के.ए कमल–समाजवादी चिंतन
६७. आचार्य नरेन्द्र देव–राष्टोयता और समाजवाद
६८. सच्चिदानन्द सिन्हा–संस्कृति और समाजवाद
६९. जयप्रकाश नारायण–समाजवाद, सर्वोदय और लाकतंत्र
७०. अरूण कुमार त्रिपाठी–समाजवाद,लोहिया और धर्मनिरपेक्षता
७१. ताराचन्द दीक्षित–डा.राममनोहर लोहिया का समाजवादी दर्शन
७२. रामगोपाल यादव–डा.लोहिया का समाजवाद

Elective Foundation-Opt.I-106-A-भाषा विज्ञान और भाषा का इतिहास

I. भाषा विज्ञान की परिभाषायें, उपयोगिता, अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध, अध्ययन की दिशायें, भाषा विज्ञान की शाखाएँ, भाषा का अर्थ. परिभाषायें, प्रकृति, लक्षण, विशेषताएँ, विविध रूप, भाषा उत्पत्ति के सिद्धांत, परिवर्तन की दिशायें और कारण, भाषाओं का वर्गीकरण, भारत के भाषा परिवार, भारतीय आर्य भाषाओं को ऐतिहासिक विकास, आधुनिक भारतीय भाषायें, हिन्दी भाषा और बोलियाँ-वर्गीकरण, क्षेत्र, हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, हिन्दी के विविध रूप, हिन्दी के विभिन्न अर्थ, पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी, हिन्दी, उर्दू हिन्दूस्तानी।

II. ध्वनि विज्ञान-तात्पर्य और उत्पत्ति, ध्वनि यंत्र, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनियों के भेद, ध्वनियों का परिचय, विकार की दिशायें और कारण, ध्वनि गुण, ध्वनि ग्राम और ध्वनिनियम, ध्वनि परिवर्तन की दिशाये और कारण, हिन्दी की ध्वनियाँ और उसका वर्गीकरण, हिन्दी स्वरों का उच्चारण, व्यंजनों का उच्चारण, हिन्दी ध्वनियों का विकास-हिन्दी की स्वर ध्वनियाँ, व्यंजन ध्वनियाँ, आगत ध्वनियाँ, हिन्दी ध्वनियों का वर्णनात्मक इतिहास, हिन्दी ध्वनिग्राम।

III. रूप विज्ञान या पद विज्ञान- स्वरूप एवं परिभाषा, पद और वाक्य, पद और शब्द, पद और संबंध तत्त्व, अर्थ तत्त्व और संबंध तत्त्व अर्थ तत्व का स्वरूप और भेद, रूप परिवर्तन की दिशाएँ और कारण, रूपिम-विज्ञान, रूपग्रामविज्ञान, रूपिम या रूपग्राम, हिन्दी रूप रचना, हिन्दी के संज्ञा और उसके रूप, सर्वनाम, विशेषण और उसकी श्रेणियाँ और क्रिया, अव्यय और उसके प्रकार, हिन्दी शब्द भंडार, शब्दों के प्रकार, शब्द विस्तार, शब्द रूप-उपसर्ग, तत्सर्ग, तद्भव,देशी विदेशी, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी शब्द रचना-उपसर्ग-स्वदेशी, विदेशी, , प्रत्यय-स्वदेशी, विदेशी, समास।

IV. वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान-वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य के अंग, वाकय रचना का आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य रचना के भेद, वाक्य रचना में परिवर्तन, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ , हिन्दी वाक्य रचना, हिन्दी वाक्य के प्रकार, अर्थ की परिभाषा एवं स्वरूप, अर्थ के प्रकार, अर्थ के नियामक तत्व, अर्थ की प्रवृत्तियाँ, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ निर्णय के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशायें और कारण अर्थ विस्तार, अर्थ संकोच, अर्थ प्रसार, हिन्दी का आर्थी संरचना, विभिन्न अर्थ, शब्द, लिंग, वचन, कारक से अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ विस्तार, अर्थ संकोच, अर्थ प्रसार।

V. लिपिविज्ञान-अर्थ की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा और लिपि में अन्तर, लिपि का उद्भव और विकास, भारत की प्राचीन लिपियाँ-ब्राह्मी लिपि, खरोष्ठी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि का विकास, अंक, विशेषतायें, सुधारों का इतिहास, मानकीकरण, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता। हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ-

१. भोलानाथ तिवारी-भाषा विज्ञान
२. देवेन्द्रनाथ शर्मा-भाषा विज्ञान की भूमिका
३. कपिलदेव द्विवेदी-भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र
४. सुनीतिकुमार चटर्जी-भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी
५. कृपा शंकर सिंह-आधुनिक भाषा विज्ञान
६. राजमणि शर्मा-आधुनिक भाषा विज्ञान
७. राजमणि शर्मा-भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा और लिपि
८. राजमल बोरा-भाषा विज्ञान-सं.
९. द्वारिका प्रसाद सक्सेना-भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा
१०. भोलानाथ तिवारी- हिन्दी भाषा
११. भोलानाथ तिवारी-हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका
१२. भोलनाथ तिवारी-हिन्दी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण
१३. कैलाशचन्द्र भाटिया-हिन्दी भाषा
१४. कैलाशचन्द्र भाटिया-हिन्दी विकास और संभावनाए
१५. धीरेन्द्र वर्मा-हिन्दी भाषा का इतिहास
१६. उदयनारायण तिवारी-हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास
१७. हरदेवबाहरी-हिन्दी उद्भव विकास और रूप
१८. राजमणि शर्मा-हिन्दी भाषा इतिहास और स्वरूप
१९. दीपचन्द जैन-हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ
२०. विमलेश कांति वर्मा-हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ

Elective Foundation-Opt.I-106-B-पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम

I. पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, पत्रकारिता का आरंभिक स्वरूप और प्रमुख प्रकार, पत्रकारिता का सैद्धांतिक स्वरूप और विकास,पत्रकारिता की नई भूमिका।

II. भारत में पत्रकारिता का आरम्भ, हिन्दो पत्रकारिता का उद्भव और विकास या काल विभाजन, पत्रकारिता और हिन्दी भाषा, हिन्दी के प्रमुख पत्रकार, हिन्दी पत्रकारिता की दिशा, समकालीन पत्रकारिता, हिन्दी पत्रकारिता मिशन से मीडिया तक, प्रजातांत्रिक व्यवस्था का चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व, वैश्वीकरण और पत्रकारिता।

III. इलेक्टानिक मीडिया की पत्रकारिता-आकाशवाणी, दूरदर्शन, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी पत्रकारिता।

IV. संचार-जनसंचार माध्यम : अभिप्राय, अवधारणा, स्वरूप और विकास यात्रा, आधुनिक जनसचार माध्यम-संभावनाएँ, सीमाएँ व समस्याएँ, भारत में संचार माध्यमों का विकास, जनसंचार माध्यम के विविध रूप।

V. दूर संचार के साधन : टेलीग्राफ, टेलीप्रिण्टर, टेलेक्स, फक्स, रेडियो, यांत्रिक संचार की क्रांति-कम्प्यूटरों का विकास, इंटरनेट और हिन्दी : चुनातियाँ और संभावनाएँ, इंटरनेट पर हिन्दी, इलेक्टानिक माध्यम।

संदर्भ ग्रंथ-

१. नवीनचंद्र पंत-पत्रकारिता के मूल सिद्धात
२. नवीनचंद्र पंत-पत्रकारिता के स्वरूप एवं प्रमुख पत्रकार
३. माया त्रिपाठी-हिन्दी पत्रकारिता में राजभाषा का स्वरूप
४. विनोद गोदरे-हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ
७. अर्जुन तिवारी-हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास
६. मनोज पटैरिया-वैज्ञानिक लेखन और पत्रकारिता
७. मीरारानी बल-राष्टोय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता
८. शम्भूनाथ-गणेशशंकर विद्यार्थी और हिन्दी पत्रकारिता
९. प्रतिभा मुदलियार-हिन्दी पत्रकारिता
१०. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी-पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य
११. पृथ्वीनाथ पाण्डेय-पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
१२. राजेन्द्र-संवाद और संवाददाता
१३. अपूर्व कुलश्रेष्ठ प्रसून-समाचार लेखन और वेब पत्रकारिता
१४. रवीन्द्र शुक्ल-सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र
१७. अशोक मलिक-सूचना प्रौद्योगिकी एवं पत्रकारिता
१६. जवरीमल्ल पारख-जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य
१७. जवरीमल्ल पारख-जनसंचार के सामाजिक संदर्भ
१८. रेमंड विलियम-संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र
१९. हरबर्ट आई. शिलर-संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व
२०. सुभाष धुलिया-सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा
२१. पूरनचंद जोशी-संस्कृति विकास और संचार क्रांति
२२. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह-संचार माध्यम और पूँजीवादी समाज
२३. राधेश्याम शर्मा-जनसंचार
२४. कृष्ण कुमार रत्तू-दृश्य-श्रव्य एवं जनसंचार माध्यम
२७. राजीव भानावत-जनसम्पर्क : सिद्धांत और तकनीक
२६. सैलेशसेन गुप्ता-जनसम्पर्क एवं संचार प्रबन्धन
२७. सुशीला त्रिवेदी-जनसम्पर्क सिद्धांत और व्यवहार
२८. जे.वी.विलानियम-भारत में संचार और जनसंचार
२९. डी.डी. ओझा-दूरसंचार एव सूचना प्रौद्योगिकी
३०. विजय कुलश्रेष्ठ-संचार माध्यम: तकनीक और लेखन

Semester-II

Core-Mandatory-201–आधुनिक साहित्य का इतिहास

I. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिन्दी गद्य का विकास, भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, १८५७ की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ, द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

II. हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का विकास, छायावदी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ, उत्तर छायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता–प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

III. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, प्रमुख धाराएँ, साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ, हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, प्रमुख कहानी आंदोलन, साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

IV. हिन्दी नाटक का का उद्भव और विकास के चरण, हिन्दी नाटक और रंगमंच, भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग और नया नाटक, प्रमुख नाटककार, नाट्य कृतियाँ और साहित्यिक विशेषताएँ हिन्दी एकांकी का उद्भव और विकास, प्रमुख एकांकीकार और एकांकियाँ, उनकी विशेषताएँ।

V. हिन्दी गद्य की प्रमख विधाएँ : निबंध का उद्भव और विकास, निबन्ध की धाराएँ, हिन्दी के प्रमुख निबन्धकार और निबन्ध, हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास, आलोचना की प्रमुख धाराएँ, आलोचक और उनका आलोचनात्मक लेखन, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा साहित्य, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज डायरी आदि का विकास, धाराएँ और प्रमुख लेखक तथा विशेषताएँ ।

संदर्भ ग्रंथ–

१. नन्ददुलारे वाजपेयी–आधुनिक साहित्य
२. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–आधुनिक हिन्दी साहित्य
३. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य
४. नामवरसिंह–आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
५. नगेन्द्र–सं. हिन्दी साहित्य का इतिहास
६. शिवकुमार शर्मा–हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ
७. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल–हिन्दी साहित्य का इतिहास
८. गणपतिचन्द्र गुप्त–हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
९. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–हिन्दी साहित्य का इतिहास
१०. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–हिन्दी साहित्य का मानक इतिहास
११. रामस्वरूप चतुर्वेदो–हिन्दी साहित्य : संवेदना और विकास
१२. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–हिन्दी साहित्य का आदिकाल
१३. विजयपाल सिंह–हिन्दी साहित्य का इतिहास
१४. बच्चनसिंह–हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास
१५. बच्चनसिंह–आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
१६. इन्द्रनाथ मदान–आधुनिकता और हिन्दी साहित्य
१७. शिवदानसिंह चाहान–हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष
१८. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी–बीसवी सदी का हिन्दी साहित्य
१९. ओंकारनाथ श्रीवास्तव–हिन्दी साहित्य परिवर्तन के सौ वर्ष
२०. रामचन्द्र तिवारी–हिन्दी का गद्य साहित्य
२१. गोपाल राय–उन्नीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य
२२. विजयमोहन सिंह–बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य
२३. डा.अखिलेश कुमार शंखधर–आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध संदर्भ

Core-Mandatory-202–कथा साहित्य

I. हिन्दी उपन्यास का इतिहास–प्रमुख उपन्यासकार और उपन्यास

१. **लाला श्रीनिवास दास**–परीक्षा गुरू
२. **प्रेमचन्द**–गोदान
३. **अज्ञेय**–शेखर एक जीवनी
४. **फणीश्वरनाथ रेणु**–मैला आँचल
५. **यशपाल**–झूठा सच

II. हिन्दी कहानी का इतिहास–कहानीकार और कहानियाँ

१. **चन्द्रधर शर्मा गुलेरी**–उसने कहा था
२. **प्रेमचन्द–ईदगाह**
३. **जयशंकर प्रसाद**–आकाशदीप
४. **सुभद्राकुमारी चौहान**–राही
५. **जैनेन्द्र**–अपना–अपना भाग्य
६. **भीष्म साहनी**–चीफ की दावत
७. **निर्मल वर्मा** –परिंदे
८. **शेखर जोशी**–कोसी का घटवार
९. **कृष्णा सोबती**–सिक्का बदल गया
१०. **ज्ञानरंजन**–पिता

पाठ्य पुस्तकें–

१. परीक्षा गुरू–लाला श्रीनिवास दास–**लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
२. गोदान–प्रेमचन्द–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
३. शेखर एक जीवनी–अज्ञेय–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
४. मैला आँचल–फणीश्वरनाथ रेणु–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
५. झूठा–सच–यशपाल–**लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

संदर्भ ग्रंथ–

१. मधरेश–हिन्दी उपन्यास का विकास
२. गोपाल राय–हिन्दी उपन्यास का इतिहास
३. इन्द्रनाथ मदान–आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास
४. मधुरेश–ऐतिहासिक उपन्यास : इतिहास और इतिहास दृष्टि
५. वीरेन्द्र यादव–उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता
६. राजेन्द्र यादव–उपन्यास : स्वरूप और संवेदना
७. निर्मला जैन–हिन्दी उपन्यास : १९५० के बाद–सं.
८. परमानन्द श्रीवास्तव–उपन्यास का पुनर्जन्म,
९. परमानन्द श्रीवास्तव–उपन्यास के विरूद्ध उपन्यास
१०. शम्भूनाथ–हिन्दी उपन्यास : राष्ट और हाशिया
११. ज्योतिष जोशी–उपन्यास की समकालीनता
१२. पुष्पपाल सिंह–२१ वी शती का हिन्दी उपन्यास
१३. धनराज मानधने–उपन्यास का मनोविश्लेषण
१४. विनोद तिवारी–सं.उपन्यास : कला और सिद्धांत–दो खण्ड
१५. चन्द्रकांत बांदिवडेकर–उपन्यास : स्थिति और गति
१६. चन्द्रकांत बांदिवडेकर–आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सृजन और सिद्धांत
१७. नरेन्द्र कोहली–हिन्दी उपन्यास : सृजन और सिद्धांत
१८. मधुरेश–हिन्दी कहानी का विकास
१९. नामवरसिंह–कहानी : नयी कहानी
२०. रजनीश कुमार–हिन्दी कहानी आंदोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएँ
२१. यदुनाथ सिंह–समकालीन हिन्दी कहानी : प्रकृति और परिदृश्य
२२. पुष्पपाल सिंह–समकालीन हिन्दी कहानी
२३. दिविक रमेश–हिन्दी कहानी का समकालीन परिवेश
२४. सुधाकर गोकाककर–मार्क्सवाद और हिन्दी कहानी
२५. लक्ष्मणदत्त गौतम–आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य में प्रगति चेतना
२६. राजेन्द्र यादव–कहानी: अनुभव और अभिव्यक्ति,
२७. राजेन्द्र यादव–कहानी : स्वरूप और संवेदना
२८. परमानन्द श्रीवास्तव–कहानी की रचना–प्रक्रिया
२९. मार्कण्डेय–हिन्दी कहानी : यथार्थवादी नजरिया
३०. गोलापराय–हिन्दी कहानी का इतिहास–तीन खण्ड
३१. मधुरेश–हिन्दी कहानी का विकास
३२. शिवकुमार मिश्र–कहानीकार प्रेमचन्द : रचनादृष्टि और रचनाशिल्प
३३. राजेन्द्र कुमार–प्रेमचन्द की कहानियाँ : परिदृश्य और परिप्रेक्ष्य

Core-Mandatory-203–नाट्य साहित्य

I. **हिन्दी नाटक का इतिहास–नाटककार और नाटक**
   १. **जयशंकर प्रसाद**–चन्द्रगुप्त
   २. **मोहन राकेश**–आधे अधूरे
   ३. **सर्वेश्वरदयाल सक्सेना**–बकरी
   ४. **धर्मवीर भारती**–अंधायुग
   ५. **शंकरशेष**–एक और द्रोणाचार्य

II. **हिन्दी एकांकी का इतिहास–एकांकीकार और एकांकियाँ**
   १. **भारतेन्दु**–अंधेर नगरी
   २. **रामकुमार वर्मा**–चारूमित्रा
   ३. **उपेन्द्र नाथ अश्क**–लक्ष्मी का स्वागत
   ४. **जगदीश चन्द माथुर**–रीढ की हड्डी
   ५. **भुवनेश्वर प्रसाद**–स्टाईक
   ६. **लक्ष्मीनारायण लाल**–मम्मी ठकुराइन
   ७. **विष्णु प्रभाकर**–वापसी
   ८. **मोहन राकेश**–अडे के छिलके
   ९. **भारतभूषण अग्रवाल**–महाभारत की एक साँझ
   १०. **ममता कालिया**–यहाँ रोना मना है

पाठ्य पुस्तकें–

१. चन्द्रगुप्त–जयशंकर प्रसाद–**भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली**
२. आधे अधूरे–मोहन राकेश–**राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
३. बकरी–सर्वेश्वरदयाल सक्सेना–**वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
४. अंधायुग–धर्मवीर भारती–**किताब महल, नई दिल्ली**
५. एक और द्रोणाचार्य–शंकरशेष–**परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ–

१. बच्चन सिंह–हिन्दी नाटक
२. दशरथ ओझा–हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास,
३. दशरथ ओझा–हिन्दी नाटक
४. डा. रामजी पाण्डेय–भारतीय नाट्य सिद्धांत : उद्भव और विकास
५. दिनेशचन्द्र वर्मा–समकालीन हिन्दी नाटक और नाटककार
६. नरेन्द्र मोहन–समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच
७. दिनेशचन्द्र वर्मा–समकालीन हिन्दी नाटक और नाटककार
८. जयदेव तनेजा–हिन्दी नाटक और नाटककार
९. पाशुपतिनाथ उपाध्याय–हिन्दी नाटक एवं रंगमंच,
१०. पाशुपतिनाथ उपाध्याय–समकालीन हिन्दी नाटक : दशा और दिशा
११. गिरिश रस्तोगी–नाटक और रंगपरिकल्पना,
१२. गिरिश रस्तोगी–बीसवी शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच
१३. गिरिश रस्तोगी–समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना
१४. सिद्धनाथ कुमार–हिन्दी एकांकी
१५. रामचरण महेन्द्र–एकांकी और एकांकीकार
१६. डा.मक्खनलाल शर्मा–आधुनिकता और हिन्दी एकांकी
१७. रमेश गौतम–अंधेर नगरी : सृजन विश्लेषण और पाठ
१८. गिरिश रस्तोगी–मोहन राकेश और उनके नाटक
१९. वीरेन्द्र मेंहदीरता–मोहन राकेश का साहित्य
२०. डा. नरनारायण राय–रंगशिल्पी मोहन राकेश

Core-Mandatory-204–आलोचना साहित्य

I. आलोचना का स्वरूप, आलोचना की प्रक्रिया, सृजन और समीक्षक की संवेदना, समीक्षा के शाश्वत मूल्य, समीक्षा के भारतीय और पाश्चात्य मानदण्ड, समीक्षा की समस्यायें, समीक्षा के विविध रूप, व्यावहारिक समीक्षा, हिन्दी आलोचना के उदय की परिस्थितियाँ, प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना का स्वरूप, पाश्चात्य समीक्षा दृष्टि और हिन्दी आलोचना।

II. हिन्दी आलोचना का विकासक्रम, शुक्लपूर्व हिन्दी आलोचना और आलोचक, शुक्लयुगीन आलोचना का स्वरूप और आलोचक, शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना और आलोचक, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना, समकालीन हिन्दी आलोचना और प्रमुख आलोचक।

III. प्रमुख आलोचक–आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्रशुक्ल, बाबू गुलाब राय,आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, ।

IV. इलाचन्द्र जोशी, प्रकाशचन्द्र गुप्त, मन्मथनाथ गुप्त, डा.देवराज उपाध्याय, अज्ञेय, डा. रामविलास शर्मा, डा. नगेन्द्र, नलिन विलोचन वर्मा, डा. देवराज, मुक्तिबोध, शिवदान सिंह चौहान, अमृतराय, डा.रांगेय राघव, डॉ.नामवरसिंह, विश्म्भरनाथ उपाध्याय, शिवकुमार मिश्र, रमेशकुंतल मेघ, अशोक वाजपेयी ।

V. विजयदेव नारायण साही, लक्ष्मीकांत वर्मा, देवराज, रामस्वरूप चतुर्वेदी, रघुवंश, मलयज, नेमिचन्द्र जैन, निर्मल वर्मा, इन्द्रनाथ मदान, मैनेजर पाण्डेय।

पाठ्य पुस्तकें–

१. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ–रामेश्वर खंडेलवाल–**लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली**

२. हिन्दी समीक्षा स्वरूप–विकास के संदर्भ–प्रो.सत्यदेव मिश्र–**उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ**

संदर्भ ग्रंथ–

१. शचीरानी गुर्टू–हिन्दी के आलोचक
२. कमला प्रसाद –आलोचक और आलोचना
३. बच्चन सिंह–आलोचक और आलोचना
४. महावीर अग्रवाल–सं. आलोचक और आलोचना
७. सत्य प्रकाश मिश्र–आलोचक और समीक्षाएँ,
६. रामचन्द्र तिवारी–हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार
७. रूपकिशोर सिन्हा–हिन्दी की सैद्धांतिक आलोचना
८. प्रभाकर माचवे–हिन्दी आलोचना : अतीत और वर्तमान
९. विश्वनाथ त्रिपाठी–हिन्दी आलोचना
१०. मधुरेश–हिन्दी आलोचना का विकास
११. रामदरश मिश्र–हिन्दी आलोचना का इतिहास,
१२. रामदरश मिश्र –हिन्दी आलोचना : प्रवृत्ति१यॉं और आधारभूमि
१३. मक्खनलाल शर्मा–हिन्दी आलोचना का इतिहास
१४. रामकिशोर शर्मा–हिन्दी आलोचना : विविध आयाम
१५. कृष्णवल्लभ जोशी–नव्य हिन्दी समीक्षा
१६. प्रो. सत्यदेव मिश्र–हिन्दी समीक्षा : स्वरूप विकास के संदर्भ
१७. योगेन्द्र प्रतापसिंह–हिन्दी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
१८. नन्दकिशोर नवल–हिन्दी आलोचना का विकास,
१९. पशुपतिनाथ उपाध्याय–हिन्दी आलोचना : विकास एव प्रवृत्तियाँ
२०. रामविनोद सिंह–हिन्दी समीक्षा सीमायें और संभावनायें
२१. हेमराज कौशिक–हिन्दो आलोचना: स्थिति एवं गति
२२. मनोज पाण्डेय–हिन्दी आलोचना : दृष्टि और प्रवृत्तियाँ
२३. निर्मला जैन–हिन्दी आलोचना की बींसवी सदी
२४. सत्य प्रकाश मिश्र–हिन्दी आलोचना में बौद्धिकता
२५. डा. अनिल जैन–हिन्दी आलोचना के प्रतिदर्श
२६. अजय वर्मा–हिन्दी आलोचना का स्वत्व
२७. कृष्ण गोपाल मिश्र–हिन्दी साहित्य और समीक्षा
२८. विनोद शाही–हिन्दी आलोचना की सैद्धांतिकी
२९. रामेश्वरलाल खंडेलवाल–हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ
३०. कैलाश नाथ पाण्डेय–हिन्दी आलोचना का पुन: पाठ
३१. निर्मला जैन –हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ
३२. अरविन्द त्रिपाठी–हिन्दी आलोचना के नवरत्न–सं.
३३. कृष्णदत्त पालीवाल–हिन्दी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार,
३४. कृष्णदत्त पालीवाल–हिन्दी आलोचना का सैद्धांतिक आधार
३५. कृष्णदत्त पालीवाल–हिन्दी का आलोचना पर्व
३६. शिवकुमार मिश्र –आधुनिक हिन्दी आलोचना : एक अध्ययन
३७. निर्मला जैन –आधुनिक हिन्दी समीक्षा
३८. वेंकट शर्मा–आधुनिक हिन्दी साहित्य में समालोचना का विकास
३९. रामचन्द्र तिवारी– आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ और दृष्टि
४०. अरविन्द त्रिपाठी–आलोचना के सौ बरस

Compulsory Foundation-Opt.I-205–A-गद्य साहित्य

I. **हिन्दी निबन्ध का इतिहास–निबन्धकार और निबन्ध**

१. **भारतेन्दु**–दिल्ली दरबार दर्पण
२. **प्रताप नारायण मिश्र**–शिवमूर्ति
३. **बालकृष्ण भट्ट**–शिवशम्भू के चिट्टे
४. **रामचन्द्र शुक्ल**–कविता क्या है
५. **हजारी प्रसाद द्विवेदी**–नाखून क्यो बढते है
६. **अध्यापक पूर्ण सिंह**–मजदूरी और प्रेम
७. **विद्यानिवास मिश्र**–मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
८. **नामवरसिंह**–संस्कति और सौंदर्य
९. **कुबेरनाथ राय**–उत्तराफाल्गुनी के आस–पास
१०. **विवेकी राय**–उठ जाग मुसाफिर

II. **हिन्दी आत्मकथा का इतिहास–आत्मकथाकार और आत्मकथाएँ–**

१. **हरिवंशराय बच्चन**–क्या भूलूँ क्या याद करूँ
२. **राजेन्द्र यादव**–देहरि भई विदेस
३. **मन्नू भंडारी**–एक कहानी यह भी
४. **तुलसीराम**–मुर्दहिया
५. **रमणिका गुप्ता**–आपहृदरी

पाठ्यपुस्तकें–

१. हरिवंशराय बच्चन–क्या भूलूँ क्या याद करूँ–**राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली**
२. राजेन्द्र यादव–देहरि भई विदेस–**किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली**
३. मन्नू भडारी–एक कहानी यह भी–**राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
४. तुलसीराम–मुर्दहिया–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
५. रमणिका गुप्ता–आपहृदरी–**सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ–

१. गंगाप्रसाद गुप्त–हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबन्धकार
२. डा. रामचन्द्र तिवारी–हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार
३. डा. कमलाप्रसाद–समकालीन हिन्दी निबन्ध
४. डा.ऋचा द्विवेदी–हिन्दी निबन्ध : इतिहास और विकास
५. राजमल बोरा–चिंतामणि–भाग–१
६. रामकृपाल पाण्डेय–चिंतामणि विमर्श
७. प्रेमकांत टण्डन–आचार्य शुक्ल और चिंतामणि
८. गंगासहाय प्रेमी–रामचन्द्र शुक्ल और उनकी चिंतामणि
९. योगेन्द्र प्रताप सिंह–आचार्य शुक्ल निबन्ध संरचना और चिंतन
१०. मुकुन्द द्विवेदी–सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी : चुने हुए निबन्ध
११. विजयबहादुर सिंह–निबन्धकार हजारीप्रसाद द्विवेदी
१२. चौथीराम यादव–हजारी प्रसाद द्विवेदी : समग्र पुनरावलोक
१३. श्री प्रकाश शुक्ल–हजारी प्रसाद द्विवेदी : एक जागतिक आचार्य
१४. जगन्नाथ चौधरी–निबन्धकार विद्यानिवास मिश्र
१५. श्यामसुन्दर पाण्डेय–विद्यानिवास मिश्र का निबन्ध साहित्य सृजन और चिंतन
१६. भोलाभाई पटेल–विद्यानिवास मिश्र के ललित निबन्ध
१७. डा.अखिलेश कुमार शंखधर–आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध संदर्भ

Compulsory Foundation-Opt.I-205–B–अन्य गद्य साहित्य

I. **संस्मरण–रामवृक्ष बेनीपुरी**–माटी की मूरतें — **महादेवी वर्मा**–ठकुरी बाबा
II. **जीवनी– शिवरानी देवी**–प्रेमचन्द घर में — **विष्णु प्रभाकर**–आवारा मसीहा
III. **रिपोताज–धर्मवीर भारती**–युद्ध–यात्रा — **कृष्ण चन्दर**–जामुन का पेड़
IV. **यात्रा वृत्तांत–राहुल सांकृत्यायन**–मेरी तिब्बत यात्रा — **अज्ञेय**–अरे यायावर रहेगा याद
V. **डायरी–मुक्तिबोध**–एक साहित्यिक की डायरी — **रामविलास शर्मा**–पंचरत्न

पाठ्यपुस्तकें–

१. रामवृक्ष बेनीपुरी–माटी की मूरतें–**प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली**
२. महादेवी वर्मा–ठकुरी बाबा–**लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
३. शिवरानी देवी–प्रेमचन्द घर में–**आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली**
४. विष्णु प्रभाकर–आवारा मसीहा–**राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली**
५. धर्मवीर भारती–युद्ध–यात्रा–**वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
६. कृष्ण चन्दर–जामुन का पेड़–कहानी–गुगल पर उपलब्ध
७. राहुल सांकृत्यायन–मेरी तिब्बत यात्रा–**लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली**
८. अज्ञेय–अरे यायावर रहेगा याद–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
९. मुक्तिबोध–एक साहित्यिक की डायरी–**भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली**
१०. रामविलास शर्मा–पंचरत्न–**राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ–

१. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी–हिन्दी साहित्य : बींसवी शताब्दी
२. इन्द्रनाथ मदान–आधुनिकता और हिन्दी साहित्य
३. नित्यानन्द तिवारी–आधुनिकसाहित्य और इतिहास बोध
४. लक्ष्मणदत्त गौतम–समकालीन साहित्य : एक उत्तर पाठ
५. नन्ददुलारे वाजपेयी–आधुनिक साहित्य,
६. नन्ददुलारे वाजपेयी–आधुनिक साहित्य सृजन और समीक्षा
७. देवीशंकर अवस्थी–साहित्य विधाओं की प्रकृति,
८. बच्चनसिंह–साहित्यिक निबंध : आधुनिक दृष्टिकोण
९. इन्द्रनाथ मदान–आधुनिकता और हिन्दी साहित्य
१०. निर्मला जैन–आधुनिक साहित्य मूल्य और मूल्यांकन,
११. जवरीमल्लपारख–आधुनिक हिन्दी साहित्य : मूल्यांकन और पुनर्मूल्यांकन
१२. चन्द्रबलीसिंह–लोकदृष्टि और हिन्दी साहित्य
१३. विनयकुमार पाठक–हिन्दी साहित्य में वैचारिक पृष्ठभूमि
१४. प्रणय कृष्ण–उत्तर औपनिवेशिकता के स्त्रोत और हिन्दी साहित्य
१५. गोपाल राय–उन्नीसवी शताब्दी का हिन्दी साहित्य
१६. विजयमोहन सिंह–बींसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य

Compulsory Foundation-Opt.I-205-C-आन्ध्र का हिन्दी साहित्य

I. **आन्ध्र की हिन्दी कविताएँ-**
   १. **कर्णवीर नागेश्वरराव**-दलितों की विनती
   २. **चावलि सूर्य नारायण मूर्ति**-चतुर्थ तरंग
   ३. **डा.पांडुरंगाराव**-चाँद को भी हँसी आयी
   ४. **आपर्ति सूर्यनारायण**-योजन गंधा
   ५. **अन्नपुरेड्डी श्री राम रेड्डी**-दर्पण के सामने
   ६. **आलुरि बैरागी चौधरी**-रूग्ण जीवन
   ७. **सरगु आर कृष्णमूर्ति**-हम को मत रोको
   ८. **पी.आदेश्वरराव**-कवि की निराशा
   ९. **सी.एच. रामुलू**-मधुर संघर्ष
   १०.**के.रामा नायडु**-अनल तरंग

II. **आन्ध्र के हिन्दी उपन्यास**-आदर्श की बलि वेदी पर-**मिक्किलिनेनि सुब्बाराव-मारूति पब्लिशिंग हाउस, हैदराबाद**
लकुमा-**बालशौरि रेड्डी-साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद**

III. **आन्ध्र की हिन्दी कहानिया-**
   १. **कर्णवीर नागेश्वरराव**-भाग्य
   २. **आरिग पुडि**-रास्ता निकल ही आता है
   ३. **इब्राहीम शरीफ़**-पुरज
   ४. **विनायक राव विद्यालंकार**-सभापति का चुना
   ५. **बालशौरि रेड्डी**-चांदी का जूता

IV. **आन्ध्र के हिन्दी नाटक-चावलि सूर्य नारायण मूर्ति-** समझौता-**हिन्दी प्रचार प्रेस, मद्रास**
यडलपल्लिसीतारामय्या-वीर पांड्य कट्टबोम्मन-**लोकमान्य हिन्दी पुस्तक मंदिर, विजयवाड़ा**

V. **आन्ध्र की हिन्दी एकांकिया-**
   १. **आरिगपूडि**-नेपथ्य, बिजली और बारिश
   २. **बालशौरि रेड्डी**-सत्य की खोज
   ३. **बालचन्द्रमांचाला**-वीरपत्नी
   ४. **कर्ण राजशेषगिरिराव**-भौरे का पहाड़
   ५.**एन.एस.दक्षिणामूर्ति**-राष्ट की वेदी पर

पाठ्यपुस्तकें-

आन्ध्र की हिन्दी कविताए-मेरी ओर देखो तो-सं.डा.सी.जर्नादन राव-**आन्ध्र प्रदेश हिन्दी अकादमी, हैदराबाद**

आन्ध्र के हिन्दी उपन्यास-आदर्श की बलि वेदी पर-मिक्किलिनेनि सुब्बाराव-**मारूति पब्लिशिंग हाउस, हैदराबाद**
लकमी-बालशौरि रेड्डी-**साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद**

आन्ध्र की हिन्दी कहानिया-रास्ता निकल ही आता है-सं.ब्रान अस्थाना-**आन्ध्र प्रदेश हिन्दी अकादमी, हैदराबाद**

आन्ध्र के हिन्दी नाटक-समझौता-चावलि सूर्यनारायण मूति-**हिन्दी प्रचार प्रेस, मद्रास**
वीरपांडय कट्टबोम्मन-यडलपल्लि सीतारामय्या-**लोकमान्य हिन्दी पुस्तक मंदिन, विजयवाडा**

आन्ध्र की हिन्दी एकांकिया--भौरे का पहाड़-रामनारायण लाल बेनी प्रसाद बेनी प्रसाद इलाहाबाद

Elective Foundation-Opt.I-206-A-प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा

I. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, विविध प्रकृतियाँ, प्रमुख प्रयुक्ति क्षेत्र और उसकी परिव्याप्ति संविधान में हिन्दी का स्थान, राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास, राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन, राजभाषा अधिनियम-१९६३, १९७६, राष्टपति आदेश-१९६०, राजभाषा संकल्प-१९६८, कार्यालयी भाषा के रूप में हिनदी का विकास, राजभाषा आयोग और राजभाषा संसदीय समिति और राजभाषा नीति।

II. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख तत्व-प्रशासनिक हिन्दी का स्वरूप एवं प्रशासन के क्षेत्र-सार्वजनिक ओर निजी क्षेत्रों में राजभाषा कार्यान्वयन का स्वरूप, केन्द्र एवं राज्य सरकारों का आपसो पत्र व्यवहार एवं विभिन्न अधिकारियों, मंत्रियों के मध्य सम्पर्क और वार्तालाप तथा प्रशासनिक पत्र व्यवहार में प्रयुक्त हिन्दी भाषा का स्वरूप, स्थिति, दशा एवं दिशा।

III. राज्य सरकारों के परस्पर आपसी पत्र व्यवहार एवं अधिकारियों केस्तर पर सम्पर्क एवं वार्तालाप में प्रयुक्त हिन्दी भाषा, केन्द्र सरकार द्धारा विदेशी सरकारों से सम्पर्क एवं पत्र व्यवहार तथा वार्तालाप में प्रयुक्त हिन्दी भाषा का स्वरूप ओर सीमायें, केन्द्र सरकार के विविध मंत्रालयों एवं अधिनस्थ विभागों में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली, पदनाम, नामपटल, सूचना पटल, कार्यालयी सूचनायें, विज्ञाप्तियाँ, निविदा, नियुक्तियाँ और आवेदन आदि में हिन्दी भाषा का प्रयोग।

IV. राज्य सरकार द्धारा केन्द्र सरकार तथा अन्य राज्य सरकारों से आपसी सम्पर्क में प्रयुक्त भाषा के स्वरूप और अनुवाद की कटिनाइयाँ, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के निजी कार्यालयो में कार्यान्विधियों के स्तर पर अनुवाद की आवश्यकतायें एवं कठिनाइयाँ।

V. कार्यालय पत्राचार और उसके विभिन्न रूप-संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण और आलेख का स्वरूप और महत्व और उसकीजाँच, पत्राचार एवं उसके प्रकार-कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अर्धसरकारी पत्र, प्रस्तांकन, अनुस्मारिका,विज्ञापन, संकल्प, प्रेस, प्रेसनोट, नीलाम, समन, वाणिज्य व्यापार के पत्र और आवेदन पत्र । टिप्पण और आलेखन,आसादनों का पंजीकरण, आसादनों का वितरण, विविध अधिकारियों के द्धारा टिप्पण, टिप्पण के प्रकार, टिप्पण की पद्धतियाँ।

संदर्भ ग्रंथ–

१. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग–दंगल झाल्टे
२. प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य–नागलक्ष्मी
३. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम–महेन्द्रसिंह राणा
४. प्रयोजनमूलक हिन्दी–विनोद गोदरे
५. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका–कैलाशनाथ पाण्डेय
६. प्रयोजनमूलक हिन्दी–माधव सोनटके
७. प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग–रामप्रकाश, दिनेश गुप्त
८. प्रयोजनमूलक हिन्दी– रामप्रकाश, दिनेश गुप्त
९. प्रयोगात्मक प्रयोजनमूलक हिन्दी – रामप्रकाश, दिनेश गुप्त
१०. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन–बापूराव देसाई
११. प्रयोजनमूलक हिन्दी व्याकरण और पत्रलेखन–बापूराव देसाई
१२. प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप एवं व्याप्ति–तेजपाल चौधरी
१३. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा व्यावहारिक हिन्दी–सुकुमार भंडारे
१४. प्रयोजनमूलक हिन्दी–लक्ष्मीकांत पाण्डेय
१५. प्रयोजनमूलक : सिद्धांत और प्रयुक्ति–जितेन्द्र वत्स्य
१६. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध आयाम–अम्बादास देशमुख
१७. प्रयोजनमूलक हिन्दी : अधुनातन आयाम–अम्बादास देशमुख
१८. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी–ओमप्रकाश सिंहल
१९. संघ की राजभाषा–जगन्नाथ हरिबाबू कंसल
२०. राजभाषा हिन्दी–चन्द्रधर त्रिपाठी
२१. सुधीश पचौरी–हिन्दी का नया जनक्षेत्र
२२. सुषम वेदी–हिन्दी भाषा का भूमंडलीकरण
२३. सूर्यप्रसाद दीक्षित–विश्व पटल पर हिन्दी
२४. विमलेश कांति वर्मा–हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ
२५. चन्द्रधर त्रिपाठी–राजभाषा हिन्दी

Elective Foundation-Opt.I-206–B–अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग

I. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप, लक्षण, महत्व, अनुवाद कला, विज्ञान या शिल्प, सफल अनुवादक के गुण और सफल अनुवाद की विशेषताएँ , अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि, अनुवाद के क्षेत्र।

II. अनुवाद के प्रकार, साहित्यिक अनुवाद और साहितयेत्तर अनुवाद मूलनिष्ठ अनुवाद एवं मूलाधृत अनुवाद–अन्य प्रकार–शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, आशु अनुवाद, वार्तानुवाद, लिप्यांतरण, पुनर्रचना।

III. अनुवाद की शैलियाँ, समस्याएँ : अर्थपरक, शैलीपरक, अनुवाद के सिद्धांत : संदर्भ एवं प्रसंगोचित सिद्धांत, संकेतार्थ सिद्धांत, संतुल्यता का सिद्धांत, वर्णनात्मक एवं व्याख्यात्मक सिद्धांत, पच्चन अनुवादबोध, आशु अनुवाद सिद्धांत,सष्टीपूर्ति का सिद्धांत, पूर्णसरंचना का सिद्धांत।

IV. अनुवाद के उपकरण–बौद्धिक, भौतिक, यांत्रिक, कोश, पारिभाषिक शब्दावली, कम्प्यूटर, अनुवाद पुनरीक्षण : सम्पादन, मूल्यांकन, साहित्यिक अनुवाद की व्यावहारिक और वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ।

V. अनुवाद और भाषाविज्ञान की विभिन्न शाखाएँ, अनुवाद और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान, अनुवाद और तुलनात्मक भाषा विज्ञान।

संदर्भ ग्रंथ–

१. कैलाशचन्द्र भाटिया–अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग
२. कैलाशचन्द्र भाटिया–अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप
३. भोलानाथ तिवारी–अनुवाद विज्ञान
४. भोलानाथ तिवारी–काव्यानुवाद की समस्याएँ
५. भोलानाथ तिवारी–कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ
६. भोलानाथ तिवारी–अनुवाद कीव्यावहारिक समस्याएँ
७. भोलानाथ तिवारी–पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ
८. डा. नगेन्द्र–अनुवाद विज्ञान
९. सुरेश कुमार–अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली
१०. सी.एस.टी.टी–वैज्ञानिक शब्दावली अनुवाद एव मौलिक लेखन
११. डा. सुरेश कुमार –अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा
१२. एन.ई विश्वनाथ अय्यर–अनुवाद भाषाएँ समस्याएँ
१३. डा. सुर्यनारायण रणसुभे–अनुवाद का समाजशास्त्र
१४. प्रो. ए. अच्युतन–नाट्यानुवाद : सिद्धांत और विवेचन
१५. कृष्ण कुमार गोस्वामी–अनुवाद विज्ञान की भूमिका
१६. रीतारानी पालीवाल–अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य
१७. डा. अनुजप्रताप सिंह–अनुवाद: सिद्धांत और व्यवहार
१८. नगीनचन्द्र सहगल–काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
१९. प्रो. हरिमोहन–अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण
२०. जी. गोपीनाथन, एस कंदस्वामी–अनुवाद की समस्याएँ

Semester-III

Core-Mandatory-301–भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा

I. संस्कृत काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा, काव्य का स्वरूप, काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, प्रकार, काव्य भेद–काव्य और रूपक, नाटक तत्व, रूपक के भेद, नाटक के भेद, काव्य–गीतिकाव्य, खण्ड काव्य, महाकाव्य, सहृदय की अवधारणा ।

II. काव्य आत्मा सम्बन्धी सिद्धांत–रससिद्धांत,अलंकारसिद्धांत, रीतिसिद्धांत, ध्वनिसिद्धांत, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत

III. भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमु ख व्याख्याकार, रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, शब्दशक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप,अलंकार, रीति, गुण, दोष, मिथक,फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब।

IV. प्राकृत और अपभ्रंशकालीन काव्यशास्त्रीय परम्परा का विकास और प्रमुख काव्यशास्त्री, अपभ्रंश कालीन काव्यशास्त्रीय चिंतन की परम्परा और उसका विकास।

V. आदिकालीन काव्य चिंतन–सिद्धों, नाथों और जैनों का काव्य चिंतन, रासों रचनाकारों, विद्यापति और अमीर खुसरों का काव्य चिंतन। मध्यकालीन आचायों का काव्यशास्त्रीय चिंतन–भक्तिकाल के काव्यशास्त्रीय चिंतन–संतों, सूफियों और वैष्णव कवियों का काव्यशास्त्रीय चिंतन रीतिकालीन आचायों का काव्यचिंतन–केशवदास, चिंतामणि, भूषण, मतिराम, देव, बिहारी, घनानन्द इत्यादि।

संदर्भ ग्रंथ–

१. हजारीप्रसाद द्विवेदी–भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत
२. हरिमोहन–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान
३. शैलेन्द्र कुमार शर्मा–शब्दशक्ति संबंधी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्यशास्त्र
४. तेजपाल चौधरी–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा
५. बलदेव उपाध्याय–संस्कृत आलोचना
६. सत्यदेव चौधरी–भारतीय काव्य शास्त्र
७. सूर्यनारायण द्विवेदी–भारतीय समीक्षा–सिद्धांत
८. डा. तारकनाथ बाली–भारतीय काव्यशास्त्र
९. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय–भारतीय काव्यशास्त्र
१०. राममूर्ति त्रिपाठी–अर्द्धशती का भारतीय काव्य चिन्तन
११. राममूर्ति त्रिपाठी–भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज
१२. त्रिभुवन राय–भारतीय काव्य–सिद्धांत एवं काव्य–मीमांसा
१३. योगेन्द्र प्रताप सिंह–भारतीय काव्यशास्त्र
१४. योगेन्द्र प्रताप सिंह–भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका
१५. ब्रह्मदेव शर्मा–भारतीय साहित्यशास्त्र
१६. राममूर्ति त्रिपाठी–साहित्यशास्त्र के प्रमुख पक्ष
१७. कृष्णदेव झारी–साहित्यालोचन
१८. कृष्णदेव झारी–काव्य मनोविज्ञान
१९. भगीरथ मिश्र–काव्यशास्त्र
२०. रामचन्द्र तिवारी–भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना

Core-Mandatory-302–हिन्दी काव्यशास्त्र का विकास

I. आधुनिक हिन्दी आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिंतन– भारतेन्दुयुगीन एवं द्विवेदी युगीन काव्य समीक्षा का विहंगावलोकन भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्रबन्धु, पद्मसिंह शर्मा, कृष्णबिहारी मिश्र, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध।

II. शुक्लयुगीन काव्य शास्त्रीय चिंतन–रामचन्द्र शुक्ल, श्यामसुन्दरदास, केशवप्रसाद मिश्र, लाला भगवानदीन, गुलाबराय, हजारी प्रसाद द्विवेदी,छायावादी काव्य चिंतन–जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांतत्रिपाठी निराला, सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, नन्ददुलारे वाजपेयी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नगेन्द्र, भगीरथ मिश्र, नलिन विलोचन शर्मा, रामकुमार वर्मा, शांतिप्रिय द्विवेदी।

III. प्रगतिवादी काव्य चिंतन–शिवदानसिंह चौहान, रामविलास शर्मा, प्रकाशचन्द्र गुप्त, रांगेय राघव, अमृतराय, रमेशकुंतल मेघ, शिवकुमार मिश्र, मैनेजर पाण्डेय।

IV. प्रयोगवादी काव्य चिंतन–अज्ञेय, विजयदेव नारायण साही, देवराज उपाध्याय, रघुवंश, इलाचन्द्र जोशी, लक्ष्मीकांत वर्मा, धर्मवीर भारती, विजेन्द्र स्नातक, डॉ. देवराज।

V. नव्यकाव्य चिंतन– मुक्तिबोध, नामवरसिंह, जगदीश गुप्त, रामस्वरूप चतुर्वेदी, कुमार विमल, अशोक वाजपेयी, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र इत्यादि ।

संदर्भ ग्रंथ–

१. भगीरथ मिश्र–हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास
२. वेंकटशर्मा–हिन्दी काव्यशास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उसकी विकास परम्परा
३. योगेन्द्र प्रताप सिंह–हिन्दी काव्यशास्त्र के मूलाधार
४. महेश तिवारी–हिन्दी काव्य समीक्षा के प्रतिमान
५. शिवनाथ पाण्डेय–हिन्दी काव्यशास्त्र की परम्परा
६. नारायणदास समाधिया–समीक्षा–दर्शन
७. नन्दकिशोर नवल–हिन्दी साहित्यशास्त्र
८. राधावल्लभ त्रिपाठी–नया साहित्य : नया साहित्यशास्त्र
९. रीतारानी पालीवाल–सं. साहित्य सिद्धांत विमर्श (दो खण्ड)
१०. सत्यदेव मिश्र–हिन्दी समीक्षा : स्वरूप–विकास के संदर्भ

Generic Elective-Opt.II-303–A–दलित साहित्य

I. **दलित कविताए**–१.ओमप्रकाश वाल्मीकि–तब तुम क्या करोगे ?, शायद आप जानते हों, बस्स ! बहुत हो चुका
२.जयप्रकाश कर्दम–किले, वर्णवाद का पहाडा, लालटेन
३.श्योराजसिंह बेचैन–कौंच हूँ मै, अपराध बोध, लडकी ने डरना छोड दिया
४.मोहनदास नैमिशराय–आंदोलन, सच यही है, झाडूँ और कलम
५.सुशीला टाकभौरे–अनुत्तरित प्रश्न, ओ वाल्मीकि, विद्रोहिणी

II. **दलित कथा साहित्य**–उपन्यास–छप्पर : जयप्रकाश कर्दम, मुक्तिपर्व : मोहनदास नैमिशराय,
कहानियाँ–१.ओमप्रकाश वाल्मीकि–पच्चीस चौका डेढ सौ, ४.श्योराजसिंह बेचैन–अस्थियों के अक्षर
२. मोहनदास नैमिशराय–अपना गाँव, ५.कुसुम वियोगी–अन्तिम बयान
३.पुरूषोत्तम सत्यप्रेमी–प्रतिशोध

III. **दलित नाटक साहित्य**–नाटक–अछूतानन्द हरिहर–मायानन्द बलिदान माताप्रसाद–धर्म परिवर्तन
एकांकी–१.दयानन्द बटोही–नईपीढी :नये कर्णधार ४.कर्मशील भारती–गुनाहों की सजा
२.सूरजपाल चौहान–सच कहने वाला शूद्र है, ५.शीलबोधि–पक्षी की कैद
३.रूपनारायण सोनकर–कलेक्टर साहब की भैंस

IV. **दलित आत्मकथा**–जूठन :ओमप्रकाश वाल्मीकि, दोहरा अभिशाप–कौसल्या बैसंत्री

V. **दलित जीवनी**–ज्योतिबा फ्ले, सावित्रीबाई फ्ले, डॉ. अम्बेडकर, रामासामी पेरियार का जीवन परिचय

पाठ्य पुस्तकें–

दलित कविताए–दलित निर्वाचित कविताएँ–सं. कंवल भारती–**साहित्य उपक्रम प्रकाशन, नई दिल्ली**
दलित कथा साहित्य–उपन्यास–छप्पर : जयप्रकाश कर्दम–**राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
मुक्तिपर्व : मोहनदास नैमिशराय–**अनुराग प्रकाशन, नई दिल्ली**
कहानियाँ–दलित कहानी संचयन–सं.रमणिका गुप्ता–**साहित्य अकादमी, नई दिल्ली**
दलित नाटक साहित्य–नाटक–अछूतानन्द हरिहर–मायानन्द बलिदान–दलित लोक नाटक–सं सर्वेश कुमार मौर्य –**स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली**
माताप्रसाद–धर्म परिवर्तन–**सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली**
एकांकी–हिन्दी दलित एकांकी संचयन–सर्वेश कुमार मौर्य–**स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली**
दलित आत्मकथा–जूठन :ओमप्रकाश वाल्मीकि–**राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
दोहरा अभिशाप–कौसल्या बैसंत्री–**परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली**
दलित जीवनी–ज्योतिबा फ्ले, सावित्रीबाई फ्ले, डॉ. अम्बेडकर, रामासामी पेरियार

संदर्भ ग्रंथ–

१. प्रो.चमनलाल–दलित साहित्य : एक मूल्यांकन
२. रमणिका गुप्ता–दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार
३. साक्षान्त मस्के–परम्परागत वर्ण व्यवस्था और दलित साहित्य
४. कृष्णदत्त पालीवाल–दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार
५. सूर्यनारायण रणसूभे–दलित साहित्य : स्वरूप और संवेदना
६. डा. तेजसिंह–अम्बेडकरवादी साहित्य का समाजशास्त्र
७. डा. तेजसिंह–दलित समाज और संस्कृति
८. ओमप्रकाश वाल्मीकि–मुख्यधारा और दलित साहित्य
९. ओमप्रकाश वाल्मीकि–दलित साहित्य : अनुभव संघर्ष एवं यथार्थ
१०. कँवल भारती–दलि साहित्य और विमर्श के आलोचक
११. कँवल भारती–दलित विमर्श की भूमिका
१२. मोहनदास नैमिशराय–दलित उत्पीडन की परम्परा और वर्तमान
१३. रूपचन्द गौतम–दलित अभिव्यक्ति : संवाद और प्रतिवाद
१४. एस.एस. गौतम–भारतीय संस्कृति में दलितों और शूद्रों का योगदान

१५. आनंद तेलतुमडे–उत्तर अम्बेडकर दलि आंदोलन : दशा और दिशा
१६. शरण कुमार लिंबाले–दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
१७. डा. ललिता कौशल–चर्चित हिन्दी की दलित आत्मकथाएँ
१८. हरपाल सिंह अरूष–दलित साहित्य के आधार तत्त्व
१९. श्रवणकुमार मीणा–दलित साहित्य और समसामयिक संदर्भ
२०. डा. एन.सिंह–दलित साहित्य के प्रतिमान
२१. पी. एन सिंह–अम्बेडकर चिंतन और हिन्दी दलित साहित्य
२२. मैनेजर पाण्डेय. डा. सर्वेशकुमार मौर्य–साहित्य और दलित दृष्टि
२३. श्यौराज सिंह बेचैन–उपन्यास साहित्य में दलित समस्या और समाधान
२४. बजरंग बिहारी तिवारी–दलित साहित्य : एक अर्न्तयात्रा
२५. उमाशंकर चौधरी–दलित विमर्श : कुछ मुद्दे कुछ सवाल

Generic Elective-Opt. II-303–B–आदिवासी साहित्य

I. **आदिवासी कविताए**–१.निर्मला पुत्तुल–आखिर कब तक
२.महादेव टोप्पो–रचने होंगे ग्रंथ
३.जसिंता केरकेट्टा–किताबों में ढुँढती हूँ
४.अनुज लुगुन–गुरिल्ले का आत्मकथन
५.ग्रेस कुजूर–कलम को तीर होने दो
६. रोज केरकेट्टा–पहली बारीश
७.फांसिस्का कुजूर–पहाड़ की बेटी
८.वंदना टेटे–कविताओं वाली नदी
९. रामदयाल मुड़ा–जंगल जल रहे है
१०.ओली मिंच–कुदरत का रिवाज

II. **आदिवासी कथा साहित्य**–उपन्यास–रणेन्द्र–ग्लोबल गांव के देवता,
महुआ माझी–मरंग गोडा नीलकण्ठ हुआ
कहानी–१. कॉमरेड मीणा–केदार प्रसाद मीणा
२.मंगलसिंह मुण्डा–महुआ का फ्ल,
३.रोज केरकेट्टा–आंचल का टुकड़ा
४. वाल्टर भेंगरा–जंगल की ललकार
५. रामदयाल मुंडा–उस दिन रास्तें में

III. **आदिवासी नाट्य साहित्य**–विनोद कुमार–बुधनी

IV. **आदिवासी आत्मकथा**–सीता रत्नमाल–जंगल से आगे
डायरी लेखन–पुष्पराज–नंदीग्राम डायरी

V. **यात्रा वृत्तांत**–हरिराम मीणा–जंगल जंगल जलियांवाला
संस्मरण–रामशरण जोशी–यादों का लाल गलियारें

पाठ्यपुस्तकें–

आदिवासी कविताए–आदिवासी स्त्री कविताएँ–सं. वंदना टेटे–**राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
कलम को तीर होने दो–सं. रमणिका गुप्ता–**वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
आदिवासी कथा साहित्य–उपन्यास–रणेन्द्र–ग्लोबल गांव के देवता–**भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली**
महुआ माझी–मरंग गोडा नीलकण्ठ हुआ–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
कहानी–आदिवासी कहानियाँ–सं.केदारप्रसाद मीणा–**अलख प्रकाशन, जयपुर**
आदिवासी नाट्य साहित्य–विनोद कुमार–बुधनी–**अनुज्ञा बुक्स, नई दिल्ली**
आदिवासी आत्मकथा–सीता रत्नमाल–जंगल से आगे–अनु.अश्विनी कुमार पंकज–**गणमित्र प्रकाशन, रानीगंज रांची**
डायरी लेखन–पुष्पराज–नंदीग्राम डायरी–**पेंगुइन बुक्स, नई दिल्ली**
यात्रा वृत्तांत–हरिराम मीणा–जंगल जंगल जलियांवाला–**अलख प्रकाशन, जयपुर–१९.**
संस्मरण–रामशरण जोशी–यादों का लाल गलियारें : दंतेवाड़ा–**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ–

१. वंदना टेटे–वाचिकता : आदिवासी दर्शन, साहित्य ओर सौंदर्यबोध–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
२. वंदना टेटे–आदिवासी स्त्री कविताएँ–सं.राधाकष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
३. रमणिका गुप्ता–आदिवासी : विकास से विस्थापन–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
४. रमणिका गुप्ता–आदिवासी साहित्य–यात्रा–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
५. रमणिका गुप्ता–आदिवासी कौन–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
६. जनक सिंह मीणा–भारत के आदिवासी : चुनौतियाँ एव सम्भावनाएँ–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
७. कुमार चौहान–आदिवासो स्वर : सामाजिक, आर्थिक जीवन–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
८. रमणिका गुप्ता–आदिवसी स्वर और नई शताब्दी–सं. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
९. वी.एस. चटर्जी, जयशंकर उपाध्यायआदिवासी स्वर : वाचिक परम्परा व साहित्य– –वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. डा.एम.फोरोज खान–सं.आदिवासी : कथालोचना–वाड्मय पत्रिका विशेषांक–विकास प्रकाशन, कानपुर
११. गौतम भाईदास कुँवर–हिन्दी साहित्य में आदिवासी हस्तक्षेप–न्यू प्रकाशन, दिल्ली
१२. राजीव लोचन शर्मा–जनजातीय जीवन और संस्कृति–सहचारी प्रकाशन प्रसारण, कानपुर

Generic Elective-Opt. II-303-C-नारीवादी साहित्य

I. **नारीवादी कविताएं -अनामिका**- डाक टिकट, छिटकी हुई ईंटें,
कात्यायनी-सात भाईयों के बीच चम्पा, हाँकी खेलती लडकियाँ,
गगन गिल-यह लडकी जब उदास होगी, एक दिन लौटेगी लडकी,
अर्चना वर्मा-शोकगीत, सबूत,
निर्मला पुतुल-अपने घर की तलाश में, क्या तुम जानते हों

II. **नारीवादी कथा साहित्य**-उपन्यास-इदन्नमम् : **मैत्रेयी पुष्पा**, दौड : **ममता कालिया**,
कहानिया-बोलने वाली औरत-**ममता कालिया** सौदा-**चित्रा मृद्गल**
तीन किलों की छोरी-**मृदुला गर्ग** मेरा घर कहॉ-**नासिरा शर्मा**
कोठरी में लड़की-**मृणाल पांडे**

III. **नारीवादी नाट्य साहित्य**-नाटक-**बिना दीवारों के घर**-मन्नू भंडारी **नंगा सत्य**-सुशीला टाकभौरे,

IV. **नारीवादी आत्मकथा-अन्या से अन्नया**-प्रभाखेतान, **पिंजरे को मैना**-चन्द्रकिरण सोनरेक्सा

V. **नारीवादी संस्मरण-हम हशमत**-कृष्णा सोबती, **कृति और कृतिकार**-मृदुला गर्ग

पाठ्यपुस्तकें-

नारीवादी कविताएं -परिमळा अंबेकर-सं. लोककह्यॉ बिगडी-**अमन प्रकाशन, कानपुर**
नारीवादी कथा साहित्य-उपन्यास-**इदन्नमम्** : मैत्रेयी पुष्पा-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
दौड : ममता कालिया-**वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
कहानियां-**औरत की कहानी**-सं.सुधा अरोड़ा-**भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली**
नारीवादी नाट्य साहित्य-नाटक-**बिना दीवारों के घर**-मन्नू भंडारी-**राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली**
नंगा सत्य-सुशीला टाकभौरे-**शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली**
नारीवादी आत्मकथा-अन्या से अन्नया-प्रभाखेतान-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
पिंजरे की मैना-चन्द्रकिरण सोनरेक्सा-**पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली**
नारीवादी संस्मरण-हम हशमत-कृष्णा सोबती-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
कृति और कृतिकार-मृदुला गर्ग-**सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन,नई दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ-

१. स्त्री अस्मिता : साहित्य और विचारधारा-जगदीश्वर चतुर्वेदी
२. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श- जगदीश्वर चतुर्वेदी
३. स्त्री विमर्श : कलम और कुदाल के बहाने-रमणिका गुप्ता
४. स्त्री नैतिकता का तालिबानीकरण-सं. रमणिका गुप्ता
५. आधुनिक महिला लेखन-सं. रमणिका गुप्ता
६. स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प-रोहिणी अग्रवाल
७. स्त्री लेखन और समय के सरोकार-हेमलता माहेश्वर
८. स्त्री अध्ययन की बुनियाद-प्रमिला के.पी.
९. बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ : भूमण्डलीकरण और स्त्री के प्रश्न-प्रभा खेतान
१०. उपनिवेश में स्त्री : मुक्ति कामना की दस वार्ताएँ -प्रभा खेतान
११. नारीवादी विमर्श-राकेश कुमार
१२. स्त्री विमर्श : विविध पहलू-सं. कल्पना वर्मा
१३. आजाद औरत : कितनी आजाद-शैलेन्द्र सागर, रजनी गुप्त
१४. औरत : अस्तित्व और अस्मिता-अरविन्द जैन
१५. औरत : कल, आज और कल-आशारानी व्होरा
१६. भारतीय नारी : संघर्ष और मुक्ति-बृंदा कारात
१७. महिला सशक्तिकरण एवं वैश्वीकरण-ज्ञान प्रकाश गौतम
१८. स्त्री अस्मिता के प्रश्न-सुभाष सेतिया
१९. आधी आबादी का संघर्ष-ममता जैतली,श्रीप्रकाश शर्मा
२०. स्त्री चिन्तन की चुनौतियाँ-रेखा कस्तवार

Generic Elective-Opt. II-303-D-प्रवासी साहित्य

I. **प्रवासी कविताएँ-**
   १. सत्येन्द्र श्रीवास्तव-खूनी खेतों के खिलाड़ी
   २. मोहन राणा-अर्थ शब्दों में नहीं तुम्हारे भीतर है
   ३. डा.पद्मेश गुप्त-बर्लिन दीवार
   ४. शिखा वार्ष्णेय-गर्वीला प्रेम
   ५. ऋचा जैन-ब्राउन पॉपी
   ६.निखिल कौशिक-समझदार लोग
   ७. छुष्पा भार्गव-लंदन की बरसात
   ८.तोषी अमृता-शून्यता
   ९.तरूण कुमार-संवाद के फ्ल
   १०.स्वाति पटेल-लंदन तुझसे प्यार हुआ

II. **प्रवासी कहानियाँ-**
   १. तेजेन्द्र शर्मा-कोख का किराया
   २. जकिया जुबैरी-साँकल
   ३. जयवर्मा-गुलमोहर
   ४. सुधा ओम ढींगरा-कौन सी जमीन अपनी
   ५.अनिल प्रभा कुमार-बे मौसम की बफं

III. **प्रवासी उपन्यास**-अभिमन्यु अनत-लाल पसीना उषा प्रियवंदा-रूकोगी नहीं राधिका

IV. **प्रवासी नाट्य साहित्य**-नाटक-प्रो.हरिशंकर आदेश-देशभक्ति,

V. **प्रवासी गद्य साहित्य**-यात्रा वृतांत-कृष्ण बिहारी नूर- सागर के इस पार से उस पार,
डायरी-कृष्ण बलदेव वैद्य-ख्वाब है दिवाने का

पाठ्यपुस्तकें-

प्रवासी कविताएँ-प्रवासी मन-सं. तरूण कुमार-**विकास प्रकाशन, कानपुर**

प्रवासी कहानियाँ-प्रवासी साहित्य-सं. डा.एम.फोरोज खान-**विकास प्रकाशन, कानपुर**

प्रवासी उपन्यास-अभिमन्यु अनत-लाल पसीना-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

उषा प्रियवंदा-रूकोगी नहीं राधिका-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

प्रवासी नाट्य साहित्य-नाटक-प्रो.हरिशंकर आदेश-देशभक्ति-**विश्व हिन्दी दर्शन भाग-२३.**

प्रवासी गद्य साहित्य-यात्रा वृतांत-कृष्ण बिहारी नूर- सागर के इस पार से उस पार-**टांसग्लोबल पब्लिशिंग कम्पनी**

डायरी-कृष्ण बलदेव वैद्य-ख्वाब है दिवाने का-**राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ-

१. प्रवासी साहित्य : कहानी, कविता एवं समीक्षा-सं. तेजेन्द्र शर्मा, डा. एम. फोरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर
२. प्रवासी साहित्य का इतिहास : सिद्धांत एवे विवेचन-डा. बापूराव देसाई-विकास प्रकाशन, कानपुर
३. प्रवासी साहित्य की हकीकत-सं. डा. एम. फोरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपर
४. प्रवासी साहित्य-सं. डा. एम. फोरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर
५. स्त्री विमर्श की कहानियाँ : प्रवासी महिला कहानीकार- सं. डा. एम. फोरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर
६. प्रवासी हिन्दी उपन्यासकार- सं. डा. एम. फोरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर
७. भारतीय मन और प्रवासी महिला कहानीकार- सं. डा. एम. फोरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर
८. प्रवासी महिला कथाकार- सं. डा. एम. फोरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर
९. प्रवासी भारतीयों की व्यथा-कथा-सं. डा. शगुफ्ता नियाज-विकास प्रकाशन, कानपुर
१०. प्रवासी लेखन : नयी जमीन : नया आसमान-अनिल जोशी-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. प्रवासी हिन्दी कविताएँ : सृष्टि और दृष्टि-अनुपमा तिवारी-विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. प्रवासी जगत-सं. डॉ. गंगाधर वानोडे-केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

Skill Oriented Course-Mandatory-304-भाषा शिक्षण के सिद्धांत और प्रयोग

I. भाषा शिक्षण का उद्देश्य और स्वरूप, विविध आयाम-मातृभाषा, प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा,पर भाषा, विदेशी भाषा, सम्पर्क भाषा, मातृभाषा शिक्षण और अन्य भाषा शिक्षण में अन्तर-द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण।

II. भाषा शिक्षण की विधियाँ : व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, व्याकरणानुवाद विधि, तुलनात्मक विधि, मिश्र विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, प्रत्यक्ष विधि, सर्वभाषा विधि, अभिक्रमिक स्वाध्याय विधि,।

III. भाषा कौशल और उसका विकास, श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन का कौशल का स्वरूप और उनके योग्यता प्राप्ति के विविध स्वरूप।

IV. भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री, औपचारिक भाषा शिक्षण-आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि, भाषा शिक्षण और अभिरचना अभ्यास-आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, अभिरचना अभ्यास की सार्थकता और सीमाएँ।

V. भाषा परिक्षण और मूल्यांकन, भाषा शिक्षण में निदानात्मक और अपचारात्मक विधियाँ, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा से रूप में भाषा शिक्षण, हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण।

संदर्भ ग्रंथ–

१. भाषा शिक्षण–रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–४९५/–
२. भाषा एवं भाषा शिक्षण–१–रमाकान्त अग्निहोत्री–सं.–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–४२५
३. भाषा एवं भाषा शिक्षण–२–रमाकान्त अग्निहोत्री–सं.–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–४२५
४. हिन्दी भाषा शिक्षण–भोलानाथ तिवारी, कैलाशचन्द्र भाटिया–साहित्य सहकार, दिल्ली
५. हिन्दी शिक्षण की समस्याएँ–सीताराम शास्त्री–केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
६. भारत में शिक्षण प्रणाली का विकास–डॉ. एल.बी. वाजपेयी–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
७. सफल शिक्षण की सामान्य विधिया–डा. हरिवंश श्रीवास्तव–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
८. संप्रेषणपरक हिन्दी भाषा शिक्षण–वैश्वा नारंग–प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
९. हिन्दी भाषा शिक्षण–भाई योगेन्द्र जीत–श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
१०. मानक हिन्दी शिक्षण–डा. हरिवंश तरूण–प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

Open Elective-Opt.I-305–A–व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण

I. हिन्दी वर्णमाला–ध्वनि, वर्णमाला, लिपि–स्वर और व्यंजन–परिभाषा और वर्गीकरण, अनुस्वर, विसर्ग, संयुक्त व्यंजन, बारह खडी वर्तनी और उच्चारण।
II. हिन्दी की व्याकरणिक संरचना–प्रयोग एवं वर्गीकरण–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, समुच्चयबोधक, सम्बन्धबोधक, विस्मयादिक : परिभाषा और प्रकार।
III. हिन्दी वाक्य विचार–वाक्य परिभाषा और प्रकार–सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य, मिश्र वाक्य, अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार, हिन्दी वाक्य रचना, पदक्रम और अन्विति, वर्तनी शुद्धिकरण।
IV. हिन्दी लिंग, वचन कारक–पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, लिंग पहचान, लिंग निर्णय के नियम, वचन–परिभाषा और स्वरूप–एकवचन, बहुवचन, वचन परिवर्तन के नियम, कारक–परिभाषा और प्रकार, कर्ता कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सम्बोधन।
V. हिन्दी काल अर्थ और वाच्य–काल–परिभाषा और प्रकार–वर्तमानकाल, भूतकाल, भविष्यत्काल, उनके भेद। अर्थ की परिभाषा और प्रकार, वाच्य : परिभाषा और प्रकार–कर्त्तावाच्य, कर्मवाच्य, और भाववाच्य, हिन्दी शब्द रूप–तत्सम्, तद्भव, दशज और विदेशी–परिभाषा और उदाहरण।

संदर्भ ग्रंथ–

१. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण–हरदेव बाहरी
२. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण–हेतु भारद्धाज, सत्यनारायण शर्मा
३. संक्षिप्त हिन्दी व्याकरण–कामताप्रसाद गुरू
४. व्याकरण मंजूषा–बदरीनाथ कपूर
५. हिन्दी व्याकरण–प.केदारनाथ
६. सरल हिन्दी व्याकरण एवं रचना–एन.पी.कुट्टन पिल्लै

Open Elective-Opt.I-305–B–हिन्दी साहित्य के निर्माता

I.	अमीर खुसरो और खडीबोली	विद्यापति और कृष्ण भक्ति
II.	समाज सुधारक कबीर	जायसी की प्रेम कथा
III.	सूर का वात्सल्य	तुलसी की रामभक्ति
IV.	मीरा के पद	रहीम के दोहे
V.	रसखान के सवैये	बिहारी की श्रृंगारिकता

संदर्भ ग्रंथ–

१. विजयपाल सिंह–हिन्दी साहित्य का इतिहास
२. शिवकुमार शर्मा–हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ
३. डा. नगेन्द्र–हिन्दी साहित्य का इतिहास
४. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–हिन्दी साहित्य का इतिहास
५. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय–हिन्दी साहित्य का मानक इतिहास

Semester-IV

Core-Mandatory-401-भारतीय तुलनात्मक साहित्य

I. तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, आरम्भिक विकास, तुलनात्मक साहित्य,राष्टोय साहित्य, विश्व साहित्य सामान्य साहित्य में अन्तर, तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन-अध्यापन की प्रविधि-प्रक्रिया और अपेक्षाएँ तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया और समस्याएँ ।

II. तुलनात्मक साहित्य और साहित्यिक सिद्धांत का सर्वेक्षण, तुलनात्मक साहित्य की उपयोगिता, क्षेत्र और चुनौतियाँ,तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप और समस्याएँ, आलोचना-प्रविधि, अनुवाद, अनुसंधान, तुलनात्मक अध्ययन बनाम तुलनात्मक साहित्य, तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन एव शोधकार्य, अनुवाद की भूमिका।

III. भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप, विकास के चरण, सांस्कृतिक वैशिष्टय और मूल चेतना,भारतीय साहित्य का समाजशास्त्र और प्रभावित करने वाली चिंतन धाराएँ, अध्ययन और इतिहास लेखन की समस्याएँ।

IV. भारतीय साहित्य में भक्ति चेतना, औपनिवेशिक चेतना-राष्टोय और नवजागरणवादी चेतना, स्वच्छन्दतावादी और यथार्थवादी चेतना।

V. भारतीय साहित्य में प्रगतिवादी और जनवादी चेतना, उत्तरऔपनिवेशिक और उत्तरआधुनिक अस्मितामूलक चेतना-नारीवादी चेतना, दलित और आदिवासी चेतना इत्यादि ।

संदर्भ ग्रंथ-

१. गोपाल शर्मा-सं-भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
२. नगेन्द्र सं-भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास
३. नगेन्द्र सं-भारतीय समीक्षा
४. रामविलास शर्मा-भारतीय साहित्य की भूमिका
७. रामविलास शर्मा-भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
६. संस्थान-साहित्य में बाह्य प्रभाव भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में
७. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह-भारतीय साहित्य
८. सच्चिदानन्द-भारतीय साहित्य स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ
९. राजमल बोरा-भारतीय भक्ति साहित्य
१०. रोहिताश्व-भारतीय साहित्य की सांस्कृतिकता
११. राहुल सांकृत्यायन-पाली साहित्य का इतिहास
१२. राम छबीला त्रिपाठी-भारतीय साहित्य
१३. सियाराम तिवारी-भारतीय साहित्य की पहचान
१४. रामस्वरूप चतुर्वेदी-भारत और पश्चिम संस्कृति के अस्थिर संदर्भ
१५. अम्बिकादत्त शर्मा-भारतीयता के सामाजिक अर्थ-संदर्भ
१६. प्रेमशंकर-भारतीय स्वच्छन्दतावादऔर छायावाद
१७. वैभव सिंह-भारतीय उपन्यास और आधुनिकता
१८. ब्रजेश्वर वर्मा-भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन-विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
१९. डा. विजयराघव रेड्डी-भारतीय साहित्य विविध परिदृश्य-साहित्य सहकार, दिल्ली
२०. रामजी तिवारी-सं. भारतीय साहित्य विमर्श
२१. तुलनात्मक साहित्य-डा नगेन्द्र-नेशनल
२२. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका-इन्द्रनाथ चौधुरी-नेशनल
२३. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य-इन्द्रनाथ चौधुरी-वाणी
२४. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ-राजमलबोरा-वाणी
२५. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य-राजमलबोरा-वाणी
२६. तुलनात्मक साहित्य- एन.ई.विश्वनाथ अय्यर-वाणी
२७. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ- राजुरकर सं.
२८. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य- राजुरकर सं.
२९. तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य- हनुमान प्रसाद शुक्ल
३०. तुलनात्मक अध्ययन : निकष एवं निरूपण-आई.एन.चन्द्रशेखर रेड्डी

Core-Mandatory-402–पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत

I. **प्लेटो पूर्व युग और यूनानी आचार्य** : होमर, हेसिओद, पिंडार, गॉर्गियस, अरिस्तोफनीज, जेनोफनीज, हिरैक्लिटस, सुकरात, प्लेटो, अरस्तु, लौंजाइनस, लैटिन–रोमन आचार्य – बेन जॉनसन।

II. **नव्यशास्त्रवादी, रोमनानी और आधुनिक समीक्षक** –जान डाइडन, सैमुअल जानसन, विलियम वर्ड्सवर्थ, सैमुअल टेलर कॉलरिज, मैथ्यू अर्नाल्ड, बेनेदेतो क्रोच, टी. ई. ह्यूम, टी.एस.इलियट, आई.ए.रिचर्ड्स।

III. **मार्क्सवादी चिन्तक और समीक्षक**–कार्ल मार्क्स, फडरिक एंजिल्स, वी.आई. लेनिन, मैक्सिम गोर्की, स्टालिन, माओ त्से तुंग, जी.बी. प्लेखानोव, राल्फ फॉक्स, अन्र्स्ट फिशर, हावर्ड फास्ट, क्रिस्टोफर काडवेल, जार्ज लुकाच, जार्ज थामसन।

IV. **मनोविश्लेषणवादी, अस्तित्ववादी और नयी समीक्षा के चिन्तक और समीक्षक**–सिगमड फायड, कार्ल गुस्ताव जुंग, ऐल्फड एडलर, सोरेन कीर्केगार्द, मार्टिन हेडेगर, कार्ल जास्पर्स, काक्का फान्ज, ज्यॉ पाल सार्त्र, अल्बेयर कामू, जे.सी.रैम्सन, एलेन टेट, क्लीन्थ ब्रुक्स, डब्लू, के.विम्साट, रेनेवेलेक, आस्टिन वारेन।

V. **समसामयिक आलोचक**–फर्नीनांड सस्यूर, रोमन जैकोब्सन,क्लाडे लेविनस स्त्रौस, रोला बॉर्थ, माइकेल फ्को, फडरिक जेमेसन, टेरी ईगल्टन, एडवर्ड सईद।

संदर्भ ग्रंथ–

१. अजय तिवारी–पश्चिम का काव्य विचार
२. शेखर शर्मा–पाश्चात्य समीक्षा और समीक्षक
३. डा.नगेन्द्र–पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र सिद्धांत और परिदृश्य
४. निर्मला जैन–काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा
५. कृष्णलाल हंस–समीक्षाशास्त्र (पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत)
६. कृष्णवल्लभ जोशी–पाश्चात्य काव्यशास्त्र
७. विजय बहादुर सिंह–पाश्चात्य काव्यशास्त्र
८. तारकनाथ बाली–पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास
९. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज–पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
१०. प्रतापनारायण टंडन–पाश्चात्य समीक्षा की रूपरेखा
११. सावित्री सिन्हा–पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा
१२. भगीरथ मिश्र–पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद
१३. सत्यदेव मिश्र–पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधूनातन संदर्भ
१४. कृष्णदत्त पालीवाल–यूनानी और रोमी काव्यशास्त्र
१५. केसरीनारायण शुक्ल–पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत
१६. रणधीरश्रीवास्तव–पाश्चात्य आलोचना
१७. शांतिस्वरूप गुप्त–पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
१८. मक्खनलाल शर्मा–सं.–पाश्चात्य काव्यशास्त्र : मार्क्सवादी परम्परा
१९. विजयबहादुर सिंह–पाश्चात्य काव्यशास्त्र
२०. उदय शंकर श्रीवास्तव–पाश्चात्य समीक्षा के चार अध्याय
२१. राजनाथ–पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ
२२. देवेन्द्र नाथ शर्मा– पाश्चात्य समालोचना
२३. कृष्णवल्लभ जोशी– पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
२४. लीलाधर गुप्ता–पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत
२५. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– पश्चिमी आलोचना शास्त्र

Generic Elective-Opt.II-403-A-अनुदित भारतीय साहित्य

I. अनुदित कविताएँ-

१. **बंग्ला**-जहाँ चित्त भये शुन्य-रवीन्द्रनाथ टैगोर
२. **उड़िया**-वर्षा की सुबह-सीताकांत महापात्र
३. **तमिल**-स्वतंत्रता-सुब्रह्मयम भारती
४. **मलयालम**- गारैय्या-अय्यप्प माणिकर
५. **मराठी**-पृथ्वी का प्रेम गीत-कुसुमाग्रज
६. **पंजाबी**-बहुमुल्य उपहार-भाईवीरसिंह
७.**असमिया**-धनश्री के लिए ढो स्तबक-नवकांत बरूआ
८. **गुजराती**-वर दे इतना-उमाशंकर जोशी
९. **तेलुगु**-महाप्रस्थान-श्रीरंगम् श्रीनिवासराव श्रीश्री सुब्बाराव
१०.**कन्नड**-उजाला-दत्तात्रेय रामचन्द्र बेन्द्रे

II. अनुदित कहानियाँ-

१. **तेलुगु**-मुझ पर कहानी नहीं लिखोगे ?-बुच्चिबाबु
२. **कन्नड**-मॉ-यू.आर. अनंतमूर्ति
३. **तमिल**-शाप-मुक्ति-ढुढुमैपित्तन
४. **मलयालम**-तहसीदार के पिता-तकषि शिवशंकर पिल्लई
५. **पंजाबी**-अपरिचित, परिचित चेहरा-कर्तार सिंह दुग्गल
६. **मराठी**-भूख-बाबूराव बागुल
७. **गुजराती**-पोट आफिस-धूमकेतु
८. **सिन्धी**-अधिकार-मोतीलाला जोतवाणी
९. **उर्दू**-टोबाटेकसिंह-सहादत हसन मण्टों
१०. **बंगला**-काबुलीवाला-रवीन्द्रनाथ टैगोर

III. **अनुदित उपन्यास-उड़िया**-छह बोघा जमीन-फकीर मोहन सेनापति
बंगला-अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी

IV. **अनुदित नाटक-कन्नड**-हयवदन-गिरिश कर्नाड
तेलुग-कन्याशुल्कम्-यू.ए.नरसिंहामूर्ति-अनु. सूर्यनारायण वर्मा

V. **अनुदित कृति-मराठी**-गुलामगिरी-जोतिराव फले-अनु.डा.विमलकीर्ति

पाठ्यपुस्तकें-

अनुदित कविताएँ-

१. आधुनिक भारतीय कविता-सं. डॉ.अवधेश नारायण मिश्र,डॉ.नन्दकिशोर पाण्डेय **-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी**

अनुदित कहानियाँ-

२. भारतीय श्रेष्ठ कहानियाँ-१ और २-सं.मार्कण्डेय-**लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
३. तेलुगु की प्रतिनिधि कहानियाँ-सं.जे.एल.रेड्डी-**साहित्य अकादमी, नई दिल्ली**
४. मंटों की चुनी हुई कहानियाँ-सआदत हसन मंटो-**अनन्य प्रकाशन, दिल्ली**

अनुदित उपन्यास-

५. **उड़िया**-छह बीघा जमीन-फकीर मोहन सेनापति-**साहित्य अकादमी, नई दिल्ली**
६. **बंगला**-अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी-**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

अनुदित नाटक-

७. **कन्नड**-हयवदन-गिरिश कर्नाड-अनु.बी.वी.कारंत-**राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली** .
८. **तेलुग**-कन्याशुल्कम्-गुरूजाड़ा वकट अप्पाराव, अनु. एम.बी.वि.ऐ.आर. शर्मा-**आन्ध्र प्रदेश हिन्दी अकादमी**

अनुदित कृति-

९. **मराठी**-गुलामगिरी-महात्मा ज्योतिराव फ्ले-अनु. डॉ. विमलकीर्ति-**वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ-

१. आदेश्वर राव-दक्षिण भारतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास
२. भारतीय साहित्य-डा. रामछबीला त्रिपाठी
३. भारतीय साहित्य-डा.ब्रज किशोर प्रसाद सिंह
४. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ-के.सच्चिदानन्दन
५. भारतीय उपन्यास और आधुनिकता-वैभव सिंह

Generic Elective-Opt.II- 403-B-अस्मितामूलक साहित्य-विमर्श

I. दलित शब्द का अर्थ, अवधारणा, दलित चेतना का सामाजिक और सांस्कृतिक आधार, जीवन-यथार्थ, जातीय आधार, दलित साहित्य का अभिप्राय और स्वरूप, विशेषताएँ, लक्ष्य और उद्देश्य,अभिव्यक्ति।

II. दलित साहित्य की वैचारिकता और दार्शनिकता,दलित धर्म की सामाजिक और सांस्कृतिक परम्परा और उसका विकास, दलित साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ-नामकरण की समस्या, साहित्य के पहचान की समस्या, चेतना के विकास की समस्या, उद्देश्यो के प्राप्ति की समस्या और समाधान।

III. नारीवादी चिंतन और लेखन का स्वरूप, लक्ष्य, उद्देश्य और वैचारिक आधार, नारीवाद के रूप, हिन्दी में नारीवादी चिंतन और लेखन के तथ्य और मिथ, स्त्रीविरोधी मानसिकता, हिन्दी में स्त्री लेखन की दशा और दिशा, स्त्री विमर्श : नई अंतदृष्टियाँ।

IV. नारीवादी चिंतन के विविध आयाम-नारी अस्मिता, स्वतंत्रता, शिक्षा, रोजगार, साधिकारिता विवाह, व्यक्तिगत सम्बन्ध, प्रजनन अधिकार, प्रेमसंबंधों की स्वतंत्रता,बलात्कार के विरूद्ध संघर्ष, शारीरिक शोषण का प्रतिकार, नारी जीवन में धर्म और जाति, पारिवारिक जीवन और उत्तरदायित्व, उदारीकरण, आर्थिक नीतियों, सशक्तिकरण, पर्यावरण, समान नागरिक संहिता, महिला आरक्षण, दहेज विरोध, सतीप्रथा विरोध, संगठन और संघर्ष का अधिकार, कन्याभ्रूण हत्या का विरोध, बाल विवाह का विरोध, यौनशोषण का विरोध, स्त्री दमन की सैद्धांतिकी।

V. आदिवासी शब्द का अर्थ, अवधारणा, चेतना का सामाजिक और सांस्कृतिक आधार, जीवन-यथार्थ, जातीय आधार, आदिवासी साहित्य का अभिप्राय और स्वरूप, विशेषताएँ, लक्ष्य और उद्देश्य,अभिव्यक्ति, साहित्य की वैचारिकता और दार्शनिकता, आदिवासी धर्म की सामाजिक और सांस्कृतिक परम्परा और उसका विकास, आदिवासी साहित्यतिहास लेखन की समस्याएँ-नामकरण की समस्या, साहित्य के पहचान की समस्या, चेतना के विकास की समस्या, उद्देश्यो के प्राप्ति की समस्या और समाधान।

संदर्भ ग्रंथ-

१. कमल किशोर कठेरिया-अस्मिताओं का संघर्ष
२. कविता भाटिया-अस्मिता बोध के विविध आयाम
३. डा.रजत रानी मीनू-सं. अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य
४. बद्रीनारायण-सं.-उपेक्षित समुदायों का आत्म इतिहास
५. रमणिका गुप्ता-दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार,
६. रमणिका गुप्ता-सं. दलित चेतना : सोंच, -दलित हस्तक्षेप,
७. साक्षान्त मस्के-परम्परागत वर्ण व्यवस्था और दलित साहित्य
८. अभयकुमार दुबे-सं.आधुनिकता के आइने में दलित
९. कृष्णदत्त पालीवाल-दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार,
१०. कृष्णदत्त पालीवाल-उत्तर आधुनिकतावाद और दलित साहित्य
११. कृष्णदत्त पालीवाल-दलित साहित्य विमर्श
१२. सूर्यनारायण रणसूभे-दलित साहित्य : स्वरूप और संवेदना,
१३. ओमप्रकाश वाल्मीकि-मुख्यधारा और दलित साहित्य,
१४. ओमप्रकाश वाल्मीकि-दलित साहित्य : अनुभव संघर्ष एवं यथार्थ
१५. डा. तेजसिंह-अम्बेडकरवादी साहित्य का समाजशास्त्र,
१६. डा.तेजसिंह-अम्बेडकरवादी स्त्री चिंतन
१७. कँवल भारती-दलित साहित्य और विमर्श के आलोचक,
१८. कँवल भारती-दलित विमर्श की भूमिका
१९. कँवल भारती-आजीवक परम्परा और कबीर अर्थात् दलित धर्म की खोज
२०. कँवल भारती-त्रेता विमर्श और दलित चिन्तन,
२१. कँवल भारती-साहित्य और राजनीति की तीसरी आँख
२२. जयप्रकाश कर्दम-दलित कविता : समकालीन परिदृश्य,
२३. जयप्रकाश कर्दम-दलित साहित्य एवं चिंतन : समकालीन परिदृश्य
२४. जयप्रकाश कर्दम-धर्मांतरण और दलित
२५. डा. धर्मवीर-दलित चिंन्तन का विकास
२६. पुरूषोत्तम सत्यप्रेमी-दलित साहित्य और सामाजिक न्याय
२७. श्योराज सिंह बेचैन-उपन्यास साहित्य में दलित समस्या और समाधान,
२८. श्यौराज सिंह बेचैन-सामाजिक न्याय और दलित साहित्य-सं.
२९. रूपचन्द गौतम-दलित अभिव्यक्ति : संवाद और प्रतिवाद
३०. शरण कुमार लिंबाले-सं. दलित साहित्य : वेदना और विद्रोह
३१. श्रवणकुमार मीणा-दलित साहित्य और समसामयिक संदर्भ
३२. डा. एन.सिंह-दलित साहित्य के प्रतिमान
३३. डा.एन. सिंह-दलित चिंतन : अनुभव और विचार
३४. पी. एन सिंह-अम्बेडकर चिंतन और हिन्दी दलित साहित्य
३५. उमाशंकर चौधरी-दलित विमर्श : कुछ मुद्दे कुछ सवाल
३६. डा.चन्द्रकुमार वरठे-दलित साहित्य आंदोलन
३७. हरिनारायण ठाकुर-दलित साहित्य का समाजशास्त्र

३८. विमल थोरात–दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर
३९. प्रभा खेतान–स्त्री उपेक्षिता–सीमोन द बोउवर,
४०. प्रभा खेतान–उपनिवेश में स्त्री,
४१. प्रभा खेतान–बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ
४२. राधा कुमार–स्त्री संघर्ष का इतिहास
४३. कमला प्रसाद–स्त्री : मुक्ति का सपना–सं.
४४. रमणिका गुप्ता–स्त्री विमर्श कलम और कुन्दाल के बहाने
४५. अनुशीलन–स्त्री लेखन : कल, आज और कल
४६. ग्लेरिया स्टायनेम–वजूद औरत का : स्त्री विमर्श : प्रतिनिधि पाठ
४७. ममता कालिया–महिला लेखन के सौ वर्ष
४८. जॉन स्टुअर्ट मिल–स्त्री और पराधीनता
४९. विजय शर्मा–स्त्री साहित्य और विश्व सिनेमा
५०. सुजाता–आलोचना का स्त्री पक्ष
५१. वंदना टेटे–वाचिकता : आदिवासी दर्शन, साहित्य ओर सौंदर्यबोध
५२. रमणिका गुप्ता–आदिवासी : विकास से विस्थापन
५३. रमणिका गुप्ता–आदिवासी साहित्य–यात्रा
५४. रमणिका गुप्ता–आदिवासी कौन
५५. जनक सिंह मीणा–भारत के आदिवासी : चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ

Generic Elective-Opt.II-403–C–साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

I. **हिन्दी तेलुगु कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन**–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और कंदकूरि वीरेश लिंगम पंतुलु, सुमित्रानन्दन पंत और देवलपल्ली कृष्णशास्त्री, निराला और श्री श्री, अज्ञेय और गुरूपाठ वकटचलम् धर्मवीर भारती और राहुल भरद्धाज की कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन
II. **हिन्दी तेलुगु कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन**: जयशंकर प्रसाद और श्री श्री, यशपाल और कोडवटीगट्टी कुटुंबराव की कहानियाँ का तुलनात्मक अध्ययन
III. **हिन्दी तेलुगु उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन**: प्रेमचन्द(गोदान) और वाचिरेड्डी सीता देवी (मट्टी मनिषि), नागार्जुन (दुखमोचन) और उन्नव लक्ष्मीनारायण (मालापल्ली) का तुलनात्मक अध्ययन
IV. **हिन्दी तेलुगु साहित्यिक कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन** : नरेश मेहता(यह पथ बन्धूता) और गोपीचन्द (असमर्थूनी)
V. **हिन्दी तेलुगु के दलित साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन** : जयप्रकाश कर्दम और कोल्कूरी ईनाक।

संदर्भ ग्रंथ–

१. तेलुगु साहित्य : संदर्भ और समीक्षा–एस.टी.नरसिंह्माचारी
२. तेलुगु साहित्य का इतिहास–बालशौरी रेड्डी
३. बीसवीं सदी का तेलुगु साहित्य–डा.आई.एन. चन्द्रशेखर रेड्डी
४. सहस्त्र वर्षो का तेलुगु साहित्य–सं. आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद–आन्ध्र प्रदेश हिन्दी अकादमी, हैदराबाद
५. तेलुगु साहित्य का इतिहास–सं. अमरसिंह वधान
६. हिन्दी और तेलुगु वैष्णव भक्ति साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन–डा. एम. रामनाथन्
७. तेलुगु के आधुनिक कवि बैरागी–यर्लागड्डा लक्ष्मी प्रसाद–सहयोग प्रकाशन, विजयवाड़ा
८. आरिगपडि व्यक्ति और रचनाकार–डा. अनीता–मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
९. गुरजाडा अप्पाराव : व्यक्तित्व और कृतित्व–सं. वेमुरि राधाकृष्ण मूर्ति–आन्ध्र प्रदेश अकादमी, हैदराबाद
१०. महाकवि गुरजाडा की कविताएँ–डा.सूर्यनारायण भानु–आन्ध्र प्रदेश हिन्दी अकादमी, हैदराबाद
११. तेलुगु के लोकप्रिय कवि श्रीश्री–अनु. सूर्यनारायण भानु–सुषमा प्रकाशन, गुंटूर
१२. हिन्दी और तेलुगु : एक तुलनात्मक अध्ययन–डा. सुन्दररेड्डी–चंद्रिका प्रकाशन, वाल्टेर
१३. तेलुगु भारतीय–डा.विजय राघव रेड्डी–रंजन प्रकाशन, आगरा
१४. बालशौरि रेड्डी का औपन्यासिक कृतित्व–डा.रवीन्द्र कुमार जैन–साहित्य भवन, प्रा.लि.इलाहाबाद
१५. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी तेलुगु उपन्यासों में व्यक्त वर्ग चेतना का अध्ययन–डा. शिवरामि रेड्डी

Generic Elective-Opt.II-403-D-अनुसंधान के सिद्धांत और दृष्टियाँ

I. अनुसंधान का स्वरूप, शोध का लक्ष्य, उद्देश्य, शोधविषय का चयन, शोध कार्य को रूपरेखा, शोध की दिशायें, शोध के प्रकार या पद्धतियाँ।
II. विषय निर्वाचन, सामग्री-संकलन, हस्तलेखों का संकलन और उपयोग, ग्रंथालयों का उपयोग, क्षेत्रीय कार्य, साक्षात्कार, टिप्पणी व विषय ग्रहण करने की अन्य पद्धतियाँ, नोट लेखन की प्रणालियाँ ।
III. रूपरेखा, विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, शोध प्रबन्ध का आयोजन, संपादन और प्रस्तुतिकरण,शोध प्रबन्ध की अन्तिम रूपरचना, सुधार, परिष्कार एवं सम्पादन उपसंहार, सहायक ग्रंथों की सूची।
IV. संदर्भ-उल्लेख, पाद-टिप्पणी, परिशिष्ट, शब्दानुकृमणिका, नामानुकृमणिका, शोधसार।
V. शोध की समस्याएँ-तुलनात्मक साहित्यिक शोध, पाठ-संशोधन को समस्या,अनुसंधान की जटिलतायें।

संदर्भ ग्रंथ-

१. मैथिलीप्रसाद भारद्धाज-शोधप्रविधि
२. बैजूाथ सिंहल-शोध स्वरूप एवं कार्यविधि
३. राजमल बोरा-अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र
४. राजेन्द्र मिश्र-अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया
५. रामगोपाल शर्मा-अनुसंधान : स्वरूप एवं प्रविधि
६. ओ.पी.भटनागर-व्यावहारिक अनुसंधान की विधियाँ और परिमाप
७. रवीन्द्रकुमार जैन-साहित्यिक अनुसंधान के आयाम
८. राम आहुजा-सामाजिक अनुसंधान
९. सं. इलसे क्वेन-कम्पैरेटिव मैथोलोजों
१०. राम आहुजा-रिसर्च मैथॉलोजी
११. स. डा. दयाशंकर शुक्ल-साहित्यानुशीलन: विभिन्न दृष्टियाँ
१२. विनय मोहन शर्मा-शोधप्रविधि
१३. उमा पाण्डेय-शोधप्रस्तुति
१४. डा. देवराज उपाध्याय-साहित्य एवं शोध : कुछ समस्याएँ
१५. डा. देवराज उपाध्याय-साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान-नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१६. डा. विनोद गोदरे-शोध और समीक्षा

Multidisciplinary Course-404-अंतरज्ञानानुशासनात्मक दृष्टियाँ और प्रविधियाँ

I. काव्यशास्त्रीय, आध्यात्मिक, मिथकीय, भौतिकवादी, यथार्थवादी, स्वच्छन्दतावादी, समाजवादी,
II. समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी, अस्तित्ववादी,
III. नयी समीक्षा, आधनिकतावादी, उत्तरआधुनिकतावादी, संरचनावादी, उत्तरसंरचनावादी, विखण्डनवादी,
IV. भाषावैज्ञानिक, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक, गाँधीवादी, लोकतांत्रिक, अम्बेडकरवादी, नारीवादी,
V. साम्राज्यवादी-औपनिवेशीकतावादी, उत्तरऔपनिवेशिकतावादी, मानवतावादी, उपभोक्तावादी, बहुसंस्कृतिवादी।

संदर्भ ग्रंथ-

१. पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु-मार्क्सवादी,समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना,
२. पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु-सर्जनात्मक काव्यालोचन
३. पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु-मनोवैज्ञानिक और मिथकिय आलोचना,
४. पाण्डेयशशिभूषण शीतांश-विसंरचनात्मक आलोचना : अर्थ की सर्जना
५. पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु-चिंतन और सर्जन का समीक्षा-विवेक
६. पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु-डी कंस्टक्शन बनाम विसंरचना (देरिदा तथा अन्य चिंतक)
७. पी.वासवदत्ता-शास्त्रवादीऔरस्वच्छन्दतावादीसाहित्यादर्शऔरसमीक्षा प्रणालियाँ
८. एस.टी.नरसिंहाचारो-सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा,
९. हौसिलाप्रसाद सिंह-प्रगतिशील हिन्दी आलोचना की प्रक्रिया
१०. प्रदीप सक्सेना-मार्क्सवादी आलोचना विशेषांक-पहल
११. जगदीश्वर चतुर्वेदी-मार्क्सवादी साहित्यालोचन की समस्याएँ
१२. ललनप्रसाद सिंह-आलोचना की मार्क्सवादी परम्परा
१३. परमानन्द श्रीवास्तव-समकालीन हिन्दी आलोचना
१४. हुकुमचन्द राजपाल-समकालीन हिन्दी समीक्षा
१५. पशुपतिनाथ उपाध्याय-समकालीन हिन्दी आलोचना : दशा और दिशा
१६. कृष्णदत्त पालीवाल -हिन्दी आलोचना का उत्तरआधुनिक विमर्श
१७. बलीसिंह-उत्तर आधुनिकता और समकालीन हिन्दी आलोचना
१८. शिवकरण-आलोचना के आधुनिकवाद और नयी समीक्षा
१९. एस.एल.दोषी-आधुनिकता उत्तरआधुनिकता एवं नवसमाजशास्त्रीय सिद्धांत

२०. राजेन्द्र कुमार-साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि
२१. लक्ष्मीसक्सेना-सौदर्य शास्त्र:एक तत्व मीमांसीय अध्ययन
२२. रा.भा.पाटणकर-सौदर्यमीमांसा
२३. वी.के. गोकाक-सौंदर्य मीमांसा
२४. एस.टी. नरसिंम्हाचारी-सौंदर्य तत्त्व विमर्श
२५. रोहिताश्व-मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र के प्रतिमान,
२६. कमलाप्रसाद-मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र
२७. अपूर्वानन्द-सुन्दर का स्वप्न : मार्क्सवादी सौंदर्यदृष्टि
२८. देवेन्द्र चौबे-साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र
२९. जगदीश सिंह मन्हास-सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन : ऐतिहासिक परम्परा
३०. नगेन्द्र-भारतीय सौंदर्यशास्त्र को भूमिका
३१. टी.बी.बॉटमोर-समाजशास्त्र : समस्याओं और साहित्य का अध्ययन
३२. बच्चन सिंह-साहित्य का समाजशास्त्र
३३. निर्मला जैन-साहित्य का समाज शास्त्रीय चिंतन
३४. मैनेजर पाण्डेय-साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका,
३५. मैनेजर पाण्डेय-साहित्य और समाजशास्त्रीय दृष्टि
३६. उदयभानु सिंह-साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ
३७. सुधीश पचौरी-साहित्य का उत्तर समाजशास्त्र
३८. पी.सी.जैन-सामाजिक आंदोलनों का समाजशास्त्र
३९. विश्वम्भरदयाल गुप्ता-साहित्य का वस्तुपरक विश्लेषण
४०. डा. नगेन्द्र-साहित्य का समाजशास्त्र
४१. प्रणय कृष्ण-उत्तर औपनिवेशिकता के स्त्रोत और हिन्दी साहित्य
४२. विश्वनाथ मिश्र-पश्चिमी ज्ञानोदय के वैचारिक संकट

Open Elective-Opt.I-405-A-मानक हिन्दी और नागरीलिपि

I. मानक हिन्दी : मानक शब्द का अभिप्राय, भाषा के मानक रूप की विकास प्रक्रिया, स्वरूपगत आयाम, हिन्दी भाषा और व्याकरण का अंत: संबंध- अर्थ और परिभाषा, वर्ण विचार , ध्वनियाँ और उच्चारण , स्वर, व्यंजन और उसके भेद, शब्द भंडार : उत्पत्ति, शब्दों के भेद , तद्भव, तत्सम, दशज और विदेशी शब्दों का प्रयोग।
II. मानक हिन्दी की रूप रचना -संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, सम्बन्धबोधक या परसर्ग, समुच्चय बोधक, विस्मयादिबोधक,अव्ययों की पदव्याख्या, शब्दभेदों में परिवर्तन।
III. मानक हिन्दी की शब्द रचना : संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय और उसके भेद, अव्यय, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, वाक्य विचार : परिभाषा, अन्वय, वाक्य के भेद, वाक्य-विग्रह, उपवाक्य, वाक्य शुद्धि, संक्षिप्तीकरण एवं पल्लवन।
IV. मानक हिन्दी में पत्र लेखन और उसके प्रकार, प्रारूप लेखन एवं निविदा सूचना, प्रतिवेदन, टिप्पण, प्रारूपण।
V. मानक हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ, गुण, शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया, शब्दों के प्रकार, देवनागरी लिपि : परिचय, विशेषताएँ और मानकीकरण, लेखन और वर्तनी, वर्तनी की समस्याएँ।

संदर्भ ग्रंथ-

१. मानक सामान्य हिन्दी-पृथ्वीनाथ पाण्डेय
२. मानक हिन्दी एवं देवनागरी : स्वरूप और संरचना-रामप्रकाश, दिनेश कुमार गुप्त
३. आदर्श सामान्य हिन्दी-विजय अग्रवाल
४. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण-हरदेव बाहरी
५. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण-हेतु भारद्धाज

Open Elective-Opt.I-405-B-आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माता

I. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
II. जयशंकर प्रसाद	महादेवी वर्मा
III. रामधारी सिंह दिनकर	प्रेमचन्द
IV. यशपाल	वृन्दावनलाल वर्मा
V. अमृतलाल नागर	भीष्म साहनी

Prof. Narayana, Ph.D.
Head & Chairman Board of Studies
Dept. of Hindi, S.V. University
TIRUPATI-517 502, A.P. (INDIA)

संदर्भ ग्रंथ-

१. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास-बाबू गुलाब राय
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास-डा. नगेन्द्र
३. हरिचरण शर्मा-हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल
४. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय-आधुनिक हिन्दी साहित्य
५. भगीरथ मिश्र-हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास